राष्ट्र को समर्पित
विजय मत
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र
www.vijaymat.com | रायपुर, शनिवार, 07 फरवरी 2026 | वर्ष- 09 | अंक- 40 | पेज- 08 | मूल्य- ₹1.00/-

मंत्री से स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार की मांग

नपंअध्यक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा मांग पत्र

डोंगरगांव नगर। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को नगर पंचायत डोंगरगांव की अध्यक्ष श्रीमती अंजू त्रिपाठी ने मांग पत्र सौंपा है। श्रीमती त्रिपाठी ने मांग पत्र के माध्यम से नगर पंचायत क्षेत्र में आवश्यक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। उक्त मांग पत्र पर स्वास्थ्यमंत्री ने सकारात्मक कदम उठाने की बात कही है। नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी ने मांग पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि नगर पंचायत क्षेत्र में नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी मूलभूत सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की बढ़ती जनसंख्या एवं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शासकीय चिकित्सालय में सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक हो गया है। पुराने चिकित्सालय परिसर में ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) की व्यवस्था प्रारंभ करने, शासकीय चिकित्सालय में स्वर्ग रथ एवं मुक्तांजलि वाहन (शव वाहन) की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा शासकीय चिकित्सालय में दो नग कॉफिन फ्रीजर उपलब्ध कराने की मांग की गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं के अभाव में आम नागरिकों को इलाज एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के लिए बाहर जाना पड़ता है, जिससे समय, धन एवं संसाधनों की अनावश्यक हानि होती है। नपंअध्यक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया है।

कोसरिया यादव समाज रानीतराई सर्किल ने बेलौदी में मनाया गीता जयंती

गीता जीवन का सार : भूपेश बघेल

विजय मत, पाटन

मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समाज गंगा को प्रणाम करते हुए जय यादव जय माधव का जय घोष किए।उन्होंने समाज को एकजुटता दिखलाते हुए सामाजिक रीति रिवाज के साथ युवा पीढ़ी संकल्पित रहे। गलत कार्यों एवं नीतियों का खुलकर विरोध करे।हमेशा समाज हित में कार्य करते हुए आगे बढ़े। वर्तमान सरकार समाज को विघटन करने की दिशा में काम कर रही है, जिसे सामाजिक बंधु को समझने की जरूरत है। हमने आपके समाज हित में गौठान निर्माण,गोबर खरीदी,महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के साथ सामाजिक भवन सहित सभी अधोसंरचना के लिए राशि स्वीकृति प्रदान की थी।आज केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ को झुनझुना दिखला दिया। अध्यक्षता लच्छी राम यादव अध्यक्ष,कोसरिया यादव समाज सर्किल रानीतराई ने सभी अतिथियों का स्वागत उद्बोधन करते हुए सामाजिक संगठन को सुदृढ़ बनाने के संदेश दिए। मंच में विक्रम यादव संरक्षक, कोसरिया यादव समाज सर्किल रानीतराई, विशिष्ट अतिथि अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष, जिला पंचायत दुर्ग, नोमिन हितेश ठाकुर सदस्य, जिला पंचायत दुर्ग, राजेश ठाकुर अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर, शंकर बघेल पूर्व सदस्य खाद्य बीज निगम दुर्ग, देवकुमार निषाद पूर्व सदस्य, मछुवारा कल्याण बोर्ड, कौशल चन्द्राकर उपाध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी, दीपमाला विजय साहू सदस्य, जनपद पंचायत पाटन, हुकुमचंद निषाद, सरपंच, भूपेन्द्र (छोटू) बघेल मंडल अध्यक्ष, रामाधार वर्मा समाज सेवी,विनोद वर्मा, भेदप्रकाश वर्मा मंचासिन रहे। सुबह सामाजिक पदाधिकारियों एवं बंधु ने कलश यात्रा, प्रतिभा सम्मान, युवक युवती परिचय, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सामाजिक परिचर्चा किया गया। एक जोड़े का आदर्श विवाह का संपन्न हुआ। इस अवसर पर गोविंद यादव,विक्रम यादव, देवीचरण यादव, रामचंद,बरातू,शंकर यादव,अर्चना यादव,बोधन यादव, खुमेश्वरी यादव, सुधा राधे यादव नीलम यादव, गोकुल यादव, जीवन यादव, संजय यादव,भागवत यादव, निलेश, संतोष, दिलीप, रमेश सहित कोसरिया यादव सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

दिन से ज्यादा रात में हो रही है मुरूम और मिट्टी की चोरी, नही पहुंच रहा है जिम्मेदारों का हाथ

विजय मत, अम्लेश्वर

पाटन विधान सभा क्षेत्र के उत्तर पाटन के आसपास के ग्रामो में मुरुम माफियायों के द्वारा शासकीय एवं निजी जमीन पर अवैध रूप से मुरूम उत्खनन कार्य कर रहे है। भोले भाले किसानो की खेत को खोदकर मुरुम उत्खनन कर अवैध व्यवसाय कर रहे है। क्षेत्र के शासकीय भूमि पर भी मुरुम माफिया लोग मुरुम खोदकर निजी उपयोग मे इस्तेमाल कर है।

जिससे मवेशियों की चारा की समस्या उत्पन्न हो रही है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार लगातार मुरूम और मिट्टी चोर अवैध खनन कर अवैध फ्लर्टिंग में सप्लाई कर रहे है। सबसे ज्यादा मुरूम और मिट्टी के चोर अमलेश्वर में छुपे हुए हैं। जिस पर कार्यवाही करने से खनिज विभाग अपना हाथ खींच रही है। यह मुरूम और मिट्टी माफिया की पहुंच पकड़ इतनी है की यह लोग बेधड़क दिन में तो खुदाई करते हैं रात में और ज्यादा जेसीबी और हाईवे लगाकर खुदाई करते हैं जिससे शासन को लाखों रुपए की खनिज राजस्व का नुकसान हो रही है। अमेरी, करगा, गभरा के खेतो से निकल रही है बड़ी मात्रा में मुरूम।

पीली मिट्टी की परत को उखाड़ कर मुरूम खनन किया जा रहा है। बड़ी बात यह है कि ये लोग मेन रोड को छोड़कर नहर नाली के किनारे बने सी सी रोड में हाईवा और जेसीबी को दौड़ाते हैं जिससे रोड खराब होने की भी आशंका आसपास के सरपंचों के द्वारा जताई जा रही है।जिस पर जिम्मेदार अधिकारी की हाथ नहीं पहुंच पा रही है। जिस पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधी भी तत्काल अवैध मुरुम, मिट्टी उत्खनन कार्य पर रोक लगाकर मुरुम माफियो पर कड़ी कार्यवाही करने हेतु अनुविभागीय अधिकारी पाटन राजस्व को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्यवाही करने की मांग भी पूर्व में किया गया है। उक्त विषय में मंडल अध्यक्ष अम्लेश्वर कमलेश चंद्राकर ने भी प्रजा नाराजगी जाहिर की है।

खरोरा में एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन

विजय मत, खरोरा

खरोरा। में एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन आईपीएल मादेन डीएपी की गुणवत्ता पर हुआ मार्गदर्शन दिव्या ट्रेडर्स खरोरामें आज इंडियन पोटाश लिमिटेड के तत्वाधान में एक दिवसीय किसान गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया।

इस गोष्ठी का उद्देश्य किसानों को उर्वरकों की गुणवत्ता एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी देकर उत्पादन क्षमता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में सऊदी अरब से पधारे विशेष अतिथि सुल्तान नसीर अल घामडी मार्केटिंग मैनेजर मादेन मुहम्मद अब्दुर्रह एग्रोनॉमी मादेन आरिज़ बिन हैरत कमर्शियल डायरेक्टर मादेन उपस्थित रहे साथ ही डॉ. यू. एस. टोटिया चीफ एग्रीकल्चर साइंटिस्ट सुनील कुमार सिंग स्टेट हेड एवं दिव्या ट्रेडर्स के संचालक गोवर्धन प्रसाद नायक तथा सह–संचालक अरविंद नायक की गरिमामयी उपस्थिति रही गोष्ठी के दौरान डॉ. यू. एस. टोटिया द्वारा किसानों को आईपीएल मादेन डीएपी की उच्च गुणवत्ता संतुलित पोषक तत्वों और इसके सही उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों के प्रयोग से किसान भविष्य में अधिक एवं उत्तम गुणवत्ता वाली फसल उत्पादन कर सकते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपनी कृषि संबंधी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। गोष्ठी के अंत में आयोजकों द्वारा किसानों के उज्ज्वल भविष्य एवं उन्नत कृषि के प्रति निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया गया।

शिवरतन शर्मा ने 59 छात्राओं को किया साइकिल वितरण

विजय मत, भाटापारा

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण ग्राम कोदवा में 59 छात्राओं को शिवरतन शर्मा ने साइकिल वितरण किया। सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जलवन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई । इस दौरान शिवरतन शर्मा ने कहा कि सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत भाटापारा विकासखण्ड में ग्राम कोदवा के छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया है। सभी छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएं। बेटियां है तो कल है , बेटियां पढ़ेगी विकास गढ़ेगी ।सभी बच्चें बेहतर ढंग से पढ़ाई करें और अपने विद्यालय का नाम रोशन करें ।

बाल संरक्षण विषय पर जिला से 10 शिक्षक प्रशिक्षित

दल्लीराजहरा। राज्य बाल संरक्षण समिति ने बच्चों की देखरेख व संरक्षण को लेकर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन 29 जनवरी से 31 जनवरी तक किया गया । बच्चों के देखरेख व संरक्षण से संबंधित नियमों के संबंध में स्कूली बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण निमोरा रायपुर में आयोजित किया गया । इसमें जिले के 10 शिक्षकों ने भाग लिया । कार्यक्रम में दुर्ग संभाग के प्रशिक्षकों के साथ पेरेंटिंग एक्सपर्ट चिरंजीवी जैन ने विशेष चर्चा की । श्री जैन ने बच्चों के मानसिक विकास, सकारात्मक पालन पोषण, भावनात्मक सहयोग और व्यवहार संबंधी समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी । इस अवसर पर डौंडी तुका राम साहू शा. पूर्व मा शा खल्लारी , मोना रावत शा पूर्व मा. शा. मरदेल, डौंडी लोहारा मनीष देशमुख शा. पूर्व मा. शा. बगईटोला, लता साहू शा. प्रा. शा. कोटेरा, बालोद मनीष वैदे शा. पूर्व मा. शा. बघमरा, भगवती सिन्हा शा. प्रा. शा. गंजपारा, गुरूर अजय वर्मा शा. पूर्व मा. शा. पेरपार, पूर्णिमा बघेल शा प्रा. शा. चन्दनबिरही, गुंडरदेही गोकुल राम राउत शा. पूर्व मा. शा. सिर्री, सुमन देवांगन शा. प्रा. शा.कांदुल शामिल रहे ।

कलेक्टर एस जयवर्धन ने भैयाथान स्कूल में ली पालकों की क्लास, छात्रों को दिए सफलता के गुरुमंत्र

विजय मत, भैयाथान

बोर्ड परीक्षाओं में सूरजपुर जिले का परचम लहराने के लिए कलेक्टर श्री एस जयवर्धन खुद मैदान में उतर गए हैं। जिले में शिक्षा के स्तर को सुधारने और 60त्न से अधिक छात्रों को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कराने के लक्ष्य के साथ आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैयाथान में एक भव्य पालक-शिक्षक सम्मेलन संपन्न हुआ। बैठक के दौरान कलेक्टर का एक अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने कक्षा 12वीं (गणित) के छात्र पीयूष कुशवाहा से तकनीकी विकास और चैट जीपीटी जैसे आधुनिक टूल्स के इस्तेमाल पर चर्चा की। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्र करियर निर्माण और पढ़ाई में एआई का सही सहयोग लें। छात्र पीयूष ने भी अपनी जेईई मेन्स की ऑनलाइन तैयारियों का अनुभव साझा किया। परीक्षा के दबाव को कम करने का मंत्र देते हुए कलेक्टर ने कहा, परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि एक उत्सव की तरह लें।

ग्रीष्मकालीन धान की अवैध सिंचाई पर प्रशासन सख्त

विभागीय उड़नदस्ता टीम की कार्रवाई, 13 नग मोटर पंप जब्त

विजय मत, बेमेतरा

ग्रीष्मकालीन धान की अवैध सिंचाई पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी एवं सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते दिवस विभागीय उड़नदस्ता टीम द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान नियमों का उल्लंघन करते हुए ग्रीष्मकालीन धान की सिंचाई करते किसानों को पकड़ा गया।

उड़नदस्ता टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम ताकम से 07, पाथरपूंजी से 02, सिंवार से 01 तथा सलधा से 03 नग मोटर पंप जप्त किए। इस प्रकार कुल 13 नग पंप जप्त कर नियमानुसार जब्ती की कार्यवाही की गई। जांच के दौरान पाया गया कि संबंधित कृषकों द्वारा जल संरक्षण एवं शासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए प्रतिबंधित अवधि में ग्रीष्मकालीन धान की सिंचाई की जा रही थी, जिससे भू-जल स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। प्रशासन द्वारा पूर्व में ही किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाने एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग हेतु निर्देशित किया गया है।

श्रीमद् भागवत कथा पुराण में माखन चोर की लीला का वर्णन किया गया

बेमेतरा। जिला मुख्यालय बेमेतरा से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बाबा महोतरा चल रहे श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा कथा व्यास संत श्री गणेश्वर शास्त्री जी महाराज के श्री मुख से प्रवाहित हो रही है जिसमें आसपास की जनमानस भगवान की दिव्य चरित्र को सुनने के लिए पहुंच रहे हैं पूर्व सरपंच मोहन साहू के द्वारा आयोजित भागवत कथा को सुनने के लिए आसपास के ग्रामीण सहित पारिवारिक जन पहुंच रहे हैं कथा शास्त्री जी महाराज के द्वारा भगवान की दिव्य चरित्र का श्रवण कराया जा रहा है भगवान ने किस प्रकार सृष्टि का विस्तार किया किस प्रकार भगवान भक्तों की रक्षा के लिए विविध अवतार लेकर गौ माता ब्राह्मण संत वेद भक्त पृथ्वी की रक्षा के लिए बैकुंठ की सुख को त्याग कर भगवान नंगे पग चलते हैं भगवान श्री कृष्ण का दिव्य जन्मोत्सव मनाया गया भगवान ने किस प्रकार बाल लीला करके सभी ब्रज वासियों को आनंदित किया भक्तों को आनंदित किया मां को आनंदित किया माखन चोरी के माध्यम से भगवान ने अनेक भक्तों के पापों का हरण कर लिया पश्चात कथा में माखन चोरी के दिव्य झांकी को प्रस्तुत किया गया।

अमलकुंडा में स्वास्थ्य अधिकारी के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायीका मितानिन सहित ग्रामीणों का मिल रहा भरपूर सहयोग

विजय मत, लवन

छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के माध्यम से संचालित सभी महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन में ग्राम पंचायत ताराशिव के आश्रित गाँव अमलकुंडा में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के दिशा निर्देशानुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका मितानिन स्व सहायता समूह के साथ-साथ जन प्रतिनिधि एवं ग्रामीणों का काफी अच्छा सहयोग मिल रहा है जिससे सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का धरातल स्तर पर क्रियान्वयन हो रहा है जिसकी भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला महामंत्री प्रशांत यादव सहित सभी जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने सभी सहयोगी दलों का भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए सभी जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है इसी क्रम में C H O एवं सरपंच द्वारा पेलिएटिव केयर में प्रदत्त सहयोग आयुष्मान आरोग्य मंदिर ताराशिव के आश्रित गांव अमलकुंडा में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी रजनी साहू सरपंच संजय निषाद सचिव खेमचंद पैंकरा जी उपसरपंच भगवती रोजगार सहायक बलराम पटेल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता क्रमांक 01-अश्वनी ध्रुव जी और 02 तुलेश्वरी ध्रुव मितानिन सतरूपा ध्रुव शशी ध्रुव नंदकिशोरी मानिकपुरी पंच गण पदमा बाई पटेल, कांति बाई पटेल, बिसौहा पटेल, श्रीमति सोनकुंवर यादव ,श्रीमति संत बाई पटेल,हेमंत कुमार ध्रुव,श्रीमति विद्या ध्रुव, श्रीमति चंद्रिका बाई ध्रुव,श्री चंद्रवियाजय पटेल, श्रीमति गायत्री बाई निषाद, हरिदास मानिकपुरी, श्रीमति फागबाई पटेल, देवप्रसाद निषाद, रामानंद पटेल, सहयोगी दल के जीवन पटेल, कमलेश पटेल, भोजराम ध्रुव, कार्तिक राम पटेल, सदाराम पटेल, पुकराम पटेल, बंसी लाल पटेल, इंद्रकुमार पटेल, रामनरायण ध्रुव, देश राम ध्रुव, ननका पटेल, कामता प्रसाद पटेल (पप्पू), शंकर पटेल, बरातू पटेल, देवचरण पटेल, देवप्रसाद पटेल, देवप्रसाद ध्रुव, परदेशी पटेल, रामेश्वर पटेल, पिताम्बर पटेल,कृत्राम पटेल, युवा साथी नामदेव पटेल, दिनेश कुमार पटेल, संजय कुमार पटेल, जितेन्द्र कुमार देवदास, राजू पटेल, मनीष कुमार पटेल, भरत कुमार पटेल,भरत कुमार यादव, दिलेश कुमार पटेल, दिनेश कुमार पटेल, श्यामसुंदर निषाद, श्याम लाल निषाद, हेमू पटेल, संजय पटेल, गन्नू पटेल, आदित्य राज ध्रुव, विक्रम पटेल, भागवत पटेल हेमलाल पटेल मोती पटेल राजेश कुमार निषाद राजेंद्रा निषाद,राजेश कुमार ध्रुव, रामनाथ ध्रुव, मनीष कुमार ध्रुव, राकेश कुमार ध्रुव, लोकेश कुमार ध्रुव, लेखु ध्रुव, मुकेश कुमार ध्रुव, हरिशंकर ध्रुव सुरेश कुमार ध्रुव, मुरली ध्रुव, यश कुमार निषाद संदीप कुमार पटेल, तख्त पटेल, राहुल पटेल, राहुल कुमार पटेल, संजय कुमार पटेल, सोनदास मानिकपुरी, त्रिलोक ध्रुव सहित सभी ग्राम पंचायत अमलकुंडा के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

हर्षोल्लास से मनाया वार्षिक उत्सव

विजय मत, पंडरिया

नगर के सबसे बड़े स्कूल स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पंडरिया मे वार्षिक उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। कक्षा 1से 12तक के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम मे देश के विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य को बड़े ही शानदार ढंग से प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की विशेषता रही जिस राज्य का लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया छात्रों ने हिंदी अंग्रेजी के साथ ही उस राज्य भाषा मे भी कार्यक्रम का संचालन किया।

मनमोहक लोक नृत्य मे बंगाल, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के लोक नृत्य का बड़े ही मनोरंजक ढंग से पारंपरिक वेशभूषा के साथ प्रस्तुत किया गया। छात्रों के द्वारा नशा मुक्त भारत का संकल्प लेते हुए नशे से होने वाले नुकसान पर आधारित नाटक का मंचन बड़े ही सुंदर ढंग से किया गया। विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता श्री गीताराम साहू एवं संगीत शिक्षिका श्रीमती दीपिका चंद्रा द्वारा शानदार प्रेरणा गीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रों द्वारा वाद्य यंत्र वादन के साथ मां सरस्वती की वंदना करते हुए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्कृष्ट विधायक पंडरिया द्वारा माँ सरस्वती जी की पूजा एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अतिथियों के स्वागत उपरांत संस्था के प्राचार्य विकास कुमार शुक्ला द्वारा विद्यालय की गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि विद्यालय मे एक हजार से ज्यादा विद्यार्थी अध्ययनरत हैं विद्यालय के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा के साथ साथ खेल के अलावा व्यवसायिक संगीत शिक्षा इनफरमेशन टेक्नोलॉजी, हेल्थ केयर आदि दी जा रही है। आने वाले समय मे छात्रों को व्यावसायिक एक्सपर्ट्स के द्वारा विशेष कक्षाओं मे प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक महोदया भावना बोहरा जी द्वाराविभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी और बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए उनका अभिवादन किया गया।

विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जिले में चलाए जा रहे हैं स्वच्छता अभियान

दल्लीराजहरा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिले के स्कूलों में स्वच्छता के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस दौरान स्कूलों के छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की जानकारी दी जा रही है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, विद्यालय एवं घर की साफ-सफाई, शौचालय के सही उपयोग कचरे के पृथक्करण, खुले में शौच न करने जैसे विषयों पर जानकारी दी जा रही है। सभी विद्यार्थियों को स्वच्छता बनाए रखने, गंदगी न फैलाने एवं दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने की शपथ भी दिलाई जा रही है। इस दौरान स्कूली बच्चें भी उत्साहपूर्वक शपथ लेते हुए अपने विद्यालय और गांव को स्वच्छ रखने का संकल्प ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक जिले के 36 स्कूलों के लगभग 3500 छात्र-छात्राओं को स्वच्छता हेतु प्रति प्रेरित किया गया है। समन्वयकों द्वारा बताया गया कि बचपन से स्वच्छता की आदतें विकसित करने से ही स्वच्छ समाज का निर्माण संभव है बच्चे समाज की नींव है वे अपने परिवार एवं समाज को भी प्रेरित करते हैं।

ज्ञानामृत

दुर्बल चरित्र वाला मनुष्य उस सरकण्डे की भांति है जो हवा के हर झोंके पर झुक जाता है।

▶▶ महात्मा गाँधी

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, शनिवार, 07 फरवरी 2026 | वर्ष- 09 | अंक- 40 | पेज- 08 | मूल्य- 1 रुपए/-

न्यूज इन शॉर्ट

7 साल पाकिस्तानी जेल में काटकर बालाघाट लौट रहा प्रसन्नजीत

विजय मत, ब्यूरो बालाघाट। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले का रहने वाला प्रसन्नजीत आखिरकार सात साल बाद पाकिस्तानी जेल से रिहा होकर भारत लौट रहा है। प्रसन्नजीत

वर्ष 2018 में दिल्ली घूमने के लिए घर से निकला था, लेकिन इसके बाद अचानक लापता हो गया। परिवार की तमाम कोशिशों के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। बाद में पता चला कि वह पाकिस्तान की एक जेल में बंद है। प्रसन्नजीत के अनुसार, उसे आज भी ठीक से याद नहीं है कि वह पाकिस्तान कैसे पहुंचा। उसने बताया कि दिल्ली जाने के बाद की कई घटनाएं उसे स्पष्ट रूप से याद नहीं हैं। किसी तरह वह सीमा पार कर पाकिस्तान चला गया, जहां सुरक्षा एजेंसियों ने उसे हिरासत में ले लिया। बिना पासपोर्ट और वीजा के सीमा पार करने के आरोप में उसे जेल भेज दिया गया।

वैभव का अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में हाईएस्ट स्कोर, एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाए

जिम्बाब्वे , एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी। जिम्बाब्वे के हरारे क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले

में भारतीय ओपनर ने 80 गेंदों पर 175 रन की पारी खेली। वैभव ने 80 गेंदों की पारी में 15 चौके और 15 छक्के जमाए। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने 50 ओवर में 411 रन बनाए। स्टोरी में जानते हैं कि वैभव ने अंडरर-19 वर्ल्डकप फाइनल के कौन-कौन से रिकॉर्ड ध्वस्त किए। वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की पारी खेली। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के ही उन्मुक्त चंद के नाम था।

अमेरिका की 'खूंखार अपराधियों' की सूची में 89 भारतीय शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने अवैध प्रवास और अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के तहत एक सार्वजनिक डेटाबेस

जारी किया है। इस सूची में 89 भारतीय मूल के लोगों के नाम शामिल हैं, जिन्हें अमेरिका में गंभीर अपराधों में दोषी आपराधिक प्रवासी बताया गया है। डीएचएस ने इस डेटाबेस को "वर्स्ट ऑफ द वर्स्ट" नाम दिया है। डीएचएस के अनुसार, इस सूची में करीब 25 हजार आपराधिक प्रवासियों की जानकारी शामिल है, जो अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे थे और जिन पर हत्या, बलात्कार, यौन उत्पीड़न, ड्रग तस्करी, धोखाधड़ी, लूट, अपहरण, घरेलू हिंसा और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे संगीन अपराध साबित हुए हैं। सूची में शामिल लोगों के नाम, फोटो, गिरफ्तारी की जगह और अपराधों का विवरण भी सार्वजनिक किया गया है।

पाकिस्तान में शिया मस्जिद पर आत्मघाती हमला, 31 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद में हुए भीषण आत्मघाती हमले ने पूरे देश को दहला दिया। धमाके में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई, जबकि 169 से अधिक

लोग घायल बताए जा रहे हैं। हमले के समय मस्जिद में बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद थे। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, आत्मघाती हमलावर ने नमाज के दौरान खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। धमाका इतना जोरदार था कि मस्जिद का एक हिस्सा ढह गया और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जिनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने की अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों के विकास कार्यों की समीक्षा

पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों के विकास में कोई ढिलाई नहीं चलेगी, अधूरे कार्य दो माह में पूरे करे

विजय मत, ब्यूरो दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण की प्रथम बैठक जिला मुख्यालय दुर्ग स्थित लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत प्रमुख विकास कार्यों, निर्माणाधीन परियोजनाओं, प्रावधानित बजट और नवीन स्वीकृत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों पर भी गंभीरता से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राधिकरण का मूल उद्देश्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान को गति देना है। इसके लिए यह आवश्यक है कि योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक समय पर और प्रभावी रूप से पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों में संतुलित और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है और इसके लिए प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को समन्वय के साथ काम करना होगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सहित अन्य विधायक, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, आईजी, कमिश्नर और कलेक्टर उपस्थित रहे।

बजट के पूर्ण उपयोग और निगरानी पर ज़ोर

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत बजट का समयबद्ध और पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका प्रत्यक्ष लाभ आमजन को मिले। इसके लिए सभी स्तरों पर सतत निगरानी जरूरी है। उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया कि जिले में स्वीकृत विकास कार्यों, सेवाओं और कार्यक्रमों का बेहतर संचालन हो तथा अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों से जुड़े निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए।

जिलेवार समीक्षा, दो माह की समय-सीमा

बैठक में मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण और विकास कार्यों की जिलेवार समीक्षा की। जिन कार्यों की प्रगति धीमी है या जो अब तक शुरू नहीं हुए हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए दो माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों से सीधे संवाद कर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और समयबद्ध पूर्णता पर जोर दिया।

35 विधानसभा क्षेत्रों में विकास पर ध्यान

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंतर्गत राज्य के 35 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में आधारभूत नागरिक सुविधाओं के विस्तार, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रोत्साहन, शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और छात्रावासों के विकास पर भी चर्चा हुई।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

गढ़चिरौली में शहीद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर

विजय मत, जगदलपुर

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर हुए। वहीं महाराष्ट्र का एक जवान शहीद हो गया, 1 अन्य जवान घायल है। 6 फरवरी की सुबह अबूझमाड़ के जंगल में दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। इस दौरान नक्सलियों की ओर से फायरिंग में गोली कॉन्स्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38 साल) को जा लगी। उन्हें तुरंत एयरलिफ्ट कर भामरागड़ के अस्पताल लाया गया।

दूसरा जवान घायल, स्थिति खतरे से बाहर

इस मुठभेड़ में एक और जवान किष्टयापल्ली के रहने वाले जोगा मदवी को भी रात में एक गोली लगी थी। उन्हें भी एयरलिफ्ट करके भामरागड़ लाया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है।

3 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद

मुठभेड़ इलाके से तीन माओवादियों के शव (2 पुरुष और एक महिला) बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही एके-47 और एक स्क्रू राइफल बरामद की गई है।

परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने बच्चों को असम के गमछे पहनाए, मोदी बोले-

एक साल में हर विदेशी चीज स्वदेशी से बदलें, विकसित भारत को अपना सपना बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडिशन में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए। पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं। पीएम बोले- जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तब आप लोग 39-40 साल के होंगे। आपको अभी से विकसित भारत को अपना सपना बनाना चाहिए। भगत सिंह आजादी का सपना दिल में रखकर फांसी पर झूल गए। जो आजादी से 25 साल पहले, 30 साल पहले बलिदान किए गए, उसी से आजादी मिली। अपना सपना बनाएं कि विकसित भारत के लिए मुझे क्या करना है।

मणिपुर में नए डिप्टी सीएम के विरोध में हिंसा भड़की, बैरक में धकेलने की कोशिश की

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गुरुवार शाम हिंसा भड़क गई। नए उपमुख्यमंत्रियों नेम्चा किप्गेन और लोसी दिखो के शपथ ग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गया। जिले के तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में सैकड़ों युवा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को वापस उनकी बैरक में धकेलने की कोशिश की। जब सुरक्षाबलों ने बात मानने से इनकार कर दिया तो पत्थरबाजी शुरू हो गई। कुछ लोगों ने सड़क के बीच में टायर जला दिए। वहीं, कुछ संगठनों ने नेम्चा किप्गेन को मारने वाले को 20 लाख और विधायकों एलएम खाउते, एन सेनाते को मारने वाले को 10-10 लाख इनाम देने का ऐलान किया है।

एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादियों ने किया सरेंडर

एक दंपत्ति और 17 अन्य विद्रोही शामिल

ओडिशा, एजेंसी

ओडिशा में माओवदियों के एक गुट ने पुलिस के सामने सरेंडर किया है। इस में एक दंपत्ति और 17 अन्य लोग शामिल हैं। जिस दंपत्ति ने सरेंडर किया है उस पर 55.10 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस महानिदेशक वाई बी खुराना ने बताया कि यह दंपत्ति माओवादी के राज्य समिति के सदस्य थे। निरंजन राउत उर्फ निखिल, और उनकी पत्नी रश्मिरा लेंका उर्फ इंदु ने अपने 17 साथियों के साथ सरेंडर कर दिया। इससे पहले, राउत और उनकी पत्नी ने ओडिशा सरकार को एक पत्र लिखकर सरेंडर करने की इच्छा जताई थी। दोनों राज्य समिति के सदस्य हैं, जो माओवादी संगठन में केंद्रीय समिति के बाद दूसरा सबसे बड़ा पद है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वाई बी खुराना ने कहा कि राउत, लेंका और 13 अन्य ने रायगड़ा के पुलिस अधीक्षक के सामने सरेंडर किया, जबकि पार्टी के चार अन्य सदस्यों ने कंधमाल जिले में हिंसा छोड़ दी। सरेंडर करने वाले माओवादियों ने पुलिस को कुछ हथियार और गोला-बारूद भी सौंप दिए।

धोखाधड़ी रोकने के लिए सरकार ने रद्द किए 2.5 करोड़ आधार कार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अब तक करीब 2.5 करोड़ आधार कार्ड को निष्क्रिय (डिएक्टिवेट) कर दिया है। यह फैसला मुख्य रूप से पहचान से जुड़ी धोखाधड़ी रोकने और आधार डेटाबेस की सटीकता बनाए रखने के लिए लिया गया है। सरकार के अनुसार, ये सभी कार्ड मृत व्यक्तियों के नाम पर जारी थे और उनकी मृत्यु के बाद भी आधार डेटाबेस में सक्रिय बने हुए थे। ऐसे सक्रिय आधार का गलत उपयोग होते देखा गया है, जैसे कि सरकारी योजनाओं और सब्सिडी का गलत लाभ उठाना या पहचान चोरी जैसी धोखाधड़ी करना। इसलिए इन कार्डों को सिस्टम से हटाया गया है ताकि डाटा और पहचान सुरक्षा अधिक मजबूती से लागू की जा सके। केंद्रीय आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय और यूआईडीएआई ने कहा है कि आधार डेटाबेस को अप-टू-डेट रखने के लिए यह सफाई अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पिछले दस सालों में 93,000 से ज़्यादा स्कूल बंद हुए

मध्य प्रदेश और यूपी में सर्वाधिक: केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत में 93,000 से अधिक स्कूल स्थायी रूप से बंद हो गए हैं। यह जानकारी लोकसभा में दी गई। राजस्थान के सीकर से सीपीआई (एम) सांसद अमरा राम के सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सोमवार (2 फरवरी) को लोकसभा में बताया कि पिछले 10 वर्षों में देशभर में 93,000 से अधिक स्कूल बंद हुए हैं, जिनमें से अधिकांश पहले छह वर्षों में बंद हुए। सरकार द्वारा संसद में दिए गए लिखित जवाब के मुताबिक, दशक के पहले अवधि में स्कूल बंद होने की संख्या सबसे अधिक रही। 2014-15 से 2019-20 के बीच 70,000 से ज्यादा स्कूल बंद हुए ङ्क जो अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इसके बाद 2020-21 से 2024-25 के बीच 18,727 और स्कूल बंद हुए। 2014-15 से 2019-20 के बीच उत्तर प्रदेश में 24,590 स्कूल बंद हुए ङ्क जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इसके बाद मध्य प्रदेश में 22,438 स्कूल बंद हुए, जो दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में भी बड़ी संख्या में स्कूल बंद हुए।

शिवराज सिंह चौहान बोले-

राहुल की भाषा 'छिछोरी', लोकतंत्र को किया शर्मसार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। मंत्री ने कहा कि राहुल की भाषा ÷छिछोरी÷ (बचकाना/तुच्छ) है और इससे लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँची है। यह टिप्पणी राहुल गांधी ने बुधवार को संसद के बाहर अपने पूर्व सहयोगी रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ ÷गद्दार÷ कहे जाने पर की थी, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि संसद में और बाहर की गई ऐसी टिप्पणी सही नहीं है और इससे राजनीतिक व्यवहार का स्तर गिरता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी लोकतंत्र की छवि को धूमिल कर रहे हैं और यह भाषा देशवासियों के सामने शर्मनाक है।

विजय मत एंकर | गाजियाबाद ट्रिपल सुसाइड केस के बाद किशोर मानसिक स्वास्थ्य पर विशेषज्ञों की चेतावनी

खतरे की घंटी: गेमिंग की आदत बच्चों को मानसिक संकट में धकेल रही

गाजियाबाद, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में सामने आए ट्रिपल सुसाइड मामले ने समाज और अभिभावकों को झकझोर कर रख दिया है। तीन नाबालिग बहनों की मौत की इस घटना के बाद ऑनलाइन गेमिंग की लत और किशोर मानसिकता पर गंभीर बहस शुरू हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल दुनिया में जरूरत से ज्यादा डूबना बच्चों को वास्तविक जीवन से काट सकता है, जिसका परिणाम घातक हो सकता है। घटना के बाद सामने आए तथ्यों के अनुसार, बच्चियां मोबाइल और ऑनलाइन गेमिंग से अत्यधिक जुड़ी हुई थीं। फोन छीने जाने के बाद उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया और उन्होंने यह कदम उठा लिया। इस मामले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या आज का डिजिटल मनोरंजन बच्चों के लिए खतरे की घंटी बनता जा रहा है।

विशेषज्ञों की राय: वर्चुअल दुनिया में खो रहे बच्चे

मनोचिकित्सकों के अनुसार किशोरावस्था में मस्तिष्क पूरी तरह विकसित नहीं होता। ऐसे में ऑनलाइन गेमिंग, विशेषकर आक्रामक और अत्यधिक आकर्षक गेम, बच्चों को वास्तविक दुनिया से अलग एक काल्पनिक संसार में ले जाते हैं। जब इस दुनिया से अचानक दूरी बना दी जाती है, तो बच्चे तनाव, अवसाद और गुस्से की स्थिति में चले जाते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि कुछ मामलों में बच्चे यह समझ ही नहीं पाते कि गेम केवल मनोरंजन है, जीवन का लक्ष्य नहीं। यही भ्रम उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बना देता है।

माता-पिता के लिए चेतावनी के संकेत

विशेषज्ञों ने अभिभावकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यदि बच्चा मोबाइल छीने जाने पर अत्यधिक आक्रामक हो जाए, अकेले रहने लगे, पढ़ाई और दिनचर्या से दूरी बनाने लगे या बार-बार चिड़चिड़ापन दिखाए, तो यह गेमिंग एडिक्शन का संकेत हो सकता है।मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि मोबाइल पूरी तरह छीन लेना समाधान नहीं है। इसके बजाय बच्चों से संवाद बढ़ाना, स्क्रीन टाइम सीमित करना और उन्हें खेल, कला व सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना जरूरी है। आवश्यकता पड़ने पर पेशेवर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की मदद लेने में भी संकोच नहीं करना चाहिए।

ईरान ने जताई भारत से 'दूसरी तरह की दोस्ती', कहा

अमेरिका की दबाव भारत-ईरान के संभावित रिश्तों को नहीं तोड़ पाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान के अधिकारियों ने भारत-अमेरिका के बढ़ते तनाव और अमेरिका की टैरिफ/प्रतिबंध की धमकियों के बीच स्पष्ट किया है कि भारत उनके लिए ÷सच्चा दोस्त÷ है और चाबहार पोर्ट जैसे रणनीतिक प्रोजेक्ट दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत बनाएंगे। इस बयान का क्रम ऐसे समय आया है जब चाबहार पोर्ट परियोजना के लिए अमेरिका द्वारा पारित प्रतिबंधों और 26 अप्रैल 2026 को वैधता समाप्त होने वाली छूट पर असमंजस बना हुआ है। ईरानी अधिकारियों ने दोहराया कि भारत से संबंध अटूट हैं और किसी भी बाहरी दबाव, विशेषकर अमेरिका के दबाव से इन रिश्तों को नुकसान नहीं पहुँचने देंगे। भारत ने भी कहा है कि वह अपने चाबहार पोर्ट हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के साथ चर्चा जारी रखेगा। चाबहार पोर्ट को भारत और ईरान के बीच व्यापक स्थानीय आर्थिक और भू-राजनीतिक सहयोग का प्रतीक माना जाता है।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर ■ कोंडागाँव ■ नारायणपुर

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

राहुल की जिद और उद्दंडता से शुरू हुआ बुक वॉर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्र भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित हो गये हैं, उनके नाम पर भारतीय जनता पार्टी आसानी से चुनाव की वैतरणी पार कर जाती है। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लगा होगा कि नरेंद्र मोदी की शक्ति ईमानदारी है, इसलिए उन्होंने राफेल में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया और गौतम अडानी के बहाने जोरदार हमले किये, उनके कई आरोप उच्चतम न्यायालय तक गये हैं, जहां आरोपों में कोई दम नहीं निकला, साथ ही आम जनता का भाव भी नरेंद्र मोदी के प्रति नहीं बदला। चीन से तनाव के समय जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुये नरेंद्र मोदी को कमजोर प्रधानमंत्री सिद्ध करने का प्रयास किया पर, आम जनता पर कोई असर नहीं हुआ। पाकिस्तान से संघर्ष विराम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में बताया पर, आम जनता ने उनकी बातों पर विश्वास नहीं किया।

अब राहुल गांधी को लगता है कि नरेंद्र मोदी पर आम जनता, उनके स-शक्त निर्णयों को लेकर अटूट विश्वास करती है, इस छवि को आघात पहुँचाने के उद्देश्य से ही राहुल गांधी पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की अ-प्रकाशित पुस्तक के अंश को मुद्दा बनाने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही स्वयं को निडर और स-शक्त दर्शाने के लिये उद्दंडता पूर्ण व्यवहार करते हुये भी दिखाई दे रहे हैं लेकिन, उन्हें इस बात का अहसास भी नहीं है कि उनकी निरर्थक जिद और उद्दंडता से, उनकी ही छवि खराब हो रही है, साथ ही पुस्तकों के हवाले से ही अब भाजपा भी गड़े मुर्दे उखाड़ेगी। संसद का बजट सत्र हंगामें की भेंट चढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय सेना के पूर्व अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की तथा-कथित अ-प्रकाशित पुस्तक का उल्लेख करते हुए दावा किया कि चीन की सेना भारत की सीमा में घुस रही थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में राहुल गांधी द्वारा सदन में तथा-कथित पुस्तक के कोट करने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन के नियमों के विरुद्ध है।

सूचना
सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

जाति का नैरेटिव और हिंदू समाज का विस्मरण

दीपक कुमार द्विवेदी

वेदों और उपनिषदों में समाज का वर्णन वर्ण व्यवस्था के माध्यम से हुआ है। ऋग्वेद के पुरुषसूक्त में वर्णों का उल्लेख समाज के कार्यात्मक विभाजन के रूप में है। महाभारत में स्पष्ट कहा गया है कि कोई व्यक्ति जन्म से ब्राह्मण या क्षत्रिय नहीं होता, वह कर्म से बनता है। यह कथन स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारतीय चिंतन जन्माधारित जातीय व्यवस्था को अंतिम सत्य नहीं मानता था।व्यवहारिक जीवन में भी भारतीय समाज स्वयं को समाज के रूप में पहचानता रहा है। आज भी कहा जाता है—ब्राह्मण समाज, जाट समाज, गुर्जर समाज, बनिया समाज। इन नामों के साथ सामान्यतः जाति शब्द नहीं जुड़ता। इसका कारण यही है कि ये पहचानें सामाजिक इकाइयाँ हैं, न कि किसी संघर्ष की रेखाएँ। सवर्ण जैसा शब्द भी शास्त्रीय नहीं है; यह आधुनिक प्रशासनिक है।

हिंदू समाज के विषय में आज जो सबसे अधिक भ्रम फैलाया गया है, वह जाति को उसकी मूल पहचान मान लेने का भ्रम है। ऐसा मान लिया गया है कि हिंदू समाज सदियों से जातियों में बँटा रहा है, वे जातियाँ आपस में संघर्ष करती रहीं और उसी संघर्ष का परिणाम आज की सामाजिक वास्तविकता है। यह धारणा जितनी प्रचलित है, उतनी ही ऐतिहासिक और शास्त्रीय तथ्यों से दूर है।भारतीय परंपरा में समाज को समझने की भाषा जाति नहीं, बल्कि वर्ण, कुल, वंश, कुटुंब और समाज रही है। ये शब्द केवल सामाजिक पहचान नहीं बताते, बल्कि जीवन-व्यवस्था, उत्तरदायित्व और परस्पर निर्भरता को व्यक्त करते हैं। वर्ण का अर्थ कार्य और आचार से है, न कि जन्म से बने स्थायी वर्ग से। कुल और वंश पारिवारिक परंपरा और सांस्कृतिक निरंतरता को दर्शाते हैं। कुटुंब सामाजिक जीवन की इकाई है और समाज उस व्यापक संरचना का नाम है, जिसमें सभी परस्पर जुड़े हुए हैं।शास्त्रों में जाति शब्द अवश्य मिलता है, किंतु उसका अर्थ आधुनिक कास्ट नहीं है। संस्कृत कोशों में जाति का अर्थ जन्म, उत्पत्ति या मानव-समूह बताया गया है। इसी कारण प्राचीन ग्रंथों में मानव जाति, आर्य जाति या हिंदू जाति जैसे प्रयोग मिलते हैं। यहाँ जाति का अर्थ सभ्यता या सांस्कृतिक समुदाय से है, न कि समाज के भीतर ऊँच-नीच से। यदि जाति का अर्थ वही होता जो आज समझा जा रहा है, तो शास्त्रों में उसके साथ अधिकार, निषेध और संघर्ष का विस्तृत विधान मिलता। ऐसा कहीं नहीं है।

वेदों और उपनिषदों में समाज का वर्णन वर्ण व्यवस्था के माध्यम से हुआ है। ऋग्वेद के पुरुषसूक्त में वर्णों का उल्लेख समाज के कार्यात्मक विभाजन के रूप में है। महाभारत में स्पष्ट कहा गया है कि कोई व्यक्ति जन्म से ब्राह्मण या क्षत्रिय नहीं होता, वह कर्म से बनता है। यह कथन स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारतीय चिंतन जन्माधारित जातीय व्यवस्था को अंतिम सत्य नहीं मानता था।

व्यवहारिक जीवन में भी भारतीय समाज स्वयं को समाज के रूप में पहचानता रहा है। आज भी कहा जाता है—ब्राह्मण समाज, जाट समाज, गुर्जर समाज, बनिया समाज। इन नामों के साथ सामान्यतः जाति शब्द नहीं जुड़ता। इसका कारण यही है कि ये पहचानें सामाजिक इकाइयाँ हैं, न कि किसी संघर्ष की रेखाएँ। सवर्ण जैसा शब्द भी शास्त्रीय नहीं है; यह आधुनिक प्रशासनिक और राजनीतिक शब्द है, जो प्रतिक्रिया के रूप में गढ़ा गया।इतिहास की दृष्टि से विदेशी यात्रियों के विवरण बहुत महत्वपूर्ण हैं। यूनानी राजदूत मेगस्थनीज ने मौर्यकालीन भारत पर अपनी पुस्तक इंडिका लिखी। उसमें उसने भारतीय समाज का विस्तृत वर्णन किया—दार्शनिक, कृषक, सैनिक, कारीगर, व्यापारी—पर कहीं भी उसने समाज को जन्माधारित जातियों में बँटा हुआ नहीं बताया। उसने कास्ट सिस्टम जैसा कोई विचार प्रस्तुत नहीं किया। यही स्थिति चीनी यात्रियों फ़ाह्यान और ह्वेनसांग के वृत्तांतों में भी दिखती है। वे शिक्षा-संस्थानों, मठों, नगरों और सामाजिक जीवन का वर्णन करते हैं, पर जाति-संघर्ष का नहीं। यदि जाति भारतीय समाज की मूल संरचना होती, तो इन यात्रियों के विवरणों में उसका स्पष्ट उल्लेख अवश्य होता।

आधुनिक अर्थों में कास्ट की अवधारणा का उद्भव औपनिवेशिक काल में हुआ। अंग्रेज़ी शासन को भारत को समझने से अधिक उसे प्रशासित करना था। शासन के लिए समाज को गिनने योग्य और वर्गीकृत करना आवश्यक था। 1871 के बाद शुरू हुई जनगणनाओं में पहली बार लोगों से उनकी जाति पूछी गई और उसे सरकारी रजिस्टरों में स्थायी पहचान बना दिया गया। वर्ण, पेशा, कुल और स्थानीय पहचान—इन सबको एक ही प्रशासनिक श्रेणी में समेट दिया गया। यहीं से समाज की तरल संरचना कठोर वर्गों में बदलने लगी।

इस प्रक्रिया का प्रभाव आँकड़ों में स्पष्ट दिखाई देता है। 1901 की जनगणना में जिन समुदायों को अस्पृश्य कहा गया, उनकी संख्या लगभग 2.5 प्रतिशत बताई गई। यह दर्शाता है कि सामाजिक बहिष्कार की समस्या सीमित थी। परंतु 1931 तक आते-आते यह संख्या लगभग 17 प्रतिशत कर दी गई। यह वृद्धि किसी अचानक सामाजिक पतन का परिणाम नहीं थी, बल्कि परिभाषा के विस्तार का परिणाम थी। अब अस्पृश्यता में गरीबी, ग्रामीण पिछड़ापन और शिक्षा की कमी जैसे तत्व जोड़ दिए गए।स्वतंत्रता के बाद यह अपेक्षा थी कि यह औपनिवेशिक वर्गीकरण समाप्त होगा, परंतु राजनीति ने इसे और मजबूत किया। संविधान में किए गए संरक्षणात्मक प्रावधान, जो संक्रमणकालीन माने गए थे, धीरे-धीरे स्थायी पहचान में बदल गए। 1980 के दशक में मंडल आयोग और उससे जुड़ी राजनीति ने इस प्रक्रिया को निर्णायक मोड़ दिया। 1989-90 के बाद पिछड़ा वर्ग की परिभाषा इतनी विस्तृत कर दी गई कि समाज का 60 प्रतिशत से अधिक भाग शोषित-वंचित-पिछड़ा घोषित कर दिया गया।यह समझना आवश्यक है कि यहाँ संख्या नहीं बढ़ी, बल्कि श्रेणी का दायरा फैलता चला गया। हजारों ऐसे सामाजिक समूह, जो न अस्पृश्य थे और न सामाजिक बहिष्कार में थे, उन्हें भी एक ही प्रशासनिक पहचान में जोड़ दिया गया। इसके साथ-साथ एक नैरेटिव गढ़ा गया—SC, ST और OBC जन्म से शोषित हैं और तथाकथित सामान्य वर्ग जन्म से शोषणकर्ता है। यह धारणा न शास्त्रों से आती है, न इतिहास से; यह आधुनिक राजनीति और वैचारिक ढाँचों का निर्माण है।

इस संदर्भ में आचार्य धर्मपाल का शोध अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने ब्रिटिश अभिलेखों के आधार पर दिखाया कि औपनिवेशिक काल से पहले भारत में समाज-आधारित शिक्षा और स्वावलंबी अर्थव्यवस्था व्यापक थी। जिन समुदायों को बाद में पिछड़ा कहा गया, वे अपने-अपने शिल्प, कृषि और ज्ञान-परंपराओं में दक्ष थे। औपनिवेशिक शासन ने पहले इन संस्थाओं को तोड़ा और फिर उन्हीं समाजों को पिछड़ा घोषित किया।आज जाति समाज का वर्णन नहीं, बल्कि संघर्ष का औज़ार बन गई है। आँकड़ों और प्रशासनिक श्रेणियों के माध्यम से समाज को स्थायी पीड़ित और स्थायी अपराधी के खाँचों में बाँटा जा रहा है। व्यक्ति का वर्तमान जीवन, उसका कर्म और उसका योगदान—सब गौण हो जाता है। पहचान ही सत्य बना दी जाती है।

भारतीय परंपरा में समाज को जोड़ने की दृष्टि थी, तोड़ने की नहीं। दोष का उपचार खोजा गया, दोष को स्थायी पहचान नहीं बनाया गया। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इस कृत्रिम वर्ग संघर्ष को पहचानें और समझें कि कास्ट हिंदू परंपरा की अवधारणा नहीं, बल्कि औपनिवेशिक और उत्तर-औपनिवेशिक राजनीति का निर्माण है। समाज की पुनर्स्थापना जाति के खाँचों में नहीं, बल्कि समरसता, समाज-बोध और कर्तव्य-प्रधान दृष्टि में निहित है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

मनोहर मश्रा

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर है।

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक 'गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है।

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है।सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

बच्चों को ऐश की चाबियाँ माता पिता की जिम्मेदारी और ....

कांतिलाल मांडोत

सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी केवल एक मामले तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे समाज के लिए चेतावनी की तरह है कि बच्चों को बिना जिम्मेदारी सिखाए सुविधाओं की चाबी सौंप देना कितना खतरनाक साबित हो सकता है ।पुणे के चर्चित नाबालिग कार चालक दुर्घटना मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने जो कहा वह हमारे सामाजिक ढांचे पर सीधा सवाल खड़ा करता है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब माता पिता अपने बच्चों को समय नहीं दे पाते जब वे संवाद नहीं कर पाते तब वे पैसे और सुविधाओं से उस कमी को पूरा करने की कोशिश करते हैं। और यही प्रवृत्ति आगे चलकर गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि नाबालिगों को कार की चाबियां देना महंगे शौक पूरे करने के लिए बेहिसाब पैसा देना और उनकी गतिविधियों पर नियंत्रण न रखना केवल व्यक्तिगत चूक नहीं है बल्कि यह सामूहिक लापरवाही का प्रतीक है ।आज के शहरी समाज में यह पैटर्न बार बार सामने आ रहा है। जहां कम उम्र के बच्चे देर रात पार्टियों में शामिल होते हैं ,शराब और नशे के संपर्क में आते हैं। तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं। और निर्दोष लोगों की जान खतरे में डाल देते हैं। इसके बाद जब दुर्घटना होती है तो प्रभाव और पैसे के बल पर सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश की जाती है। मेडिकल साक्ष्य बदले जाते हैं। पुणे का यह मामला इसलिए भी झकझोरने वाला है क्योंकि इसमें दो युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की जान चली गई जो अपने भविष्य के सपने संजोए हुए थे। एक पल की लापरवाही ने उनके परिवारों की दुनिया उजाड़ दी। अदालत ने जिन तीन आरोपियों की जमानत अर्जी पर सुनवाई की वे सबूत मिटाने और रक्त के नमूने बदलने जैसे गंभीर आरोपों में घिरे थे ।यह दर्शाता है कि समस्या केवल नाबालिग की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की है जहां अपराध के बाद भी सच को दबाने की कोशिश होती है।सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सबसे अहम पहलू यह है कि उसने जिम्मेदारी का केंद्र माता पिता को माना है ।न्यायालय ने कहा कि माता पिता के पास बच्चों से बात करने का समय नहीं होता यही मूल समस्या है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में करियर और सामाजिक प्रतिष्ठा की दौड़ में माता पिता यह भूल जाते हैं कि बच्चों के साथ समय बिताना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है ।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8631

1		■	2	3		■	4	5
	■	6			■	7		
■	8			■	9			■
10			■	11			■	12
13		■	14			■	15	
	■	16			■	17		
■	18			■	19			■
20			■	21			■	22
23		■	24			■	25	

बाएँ से दाएँ

1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8630 का हल

ह	क	■	सा	ग	र	■	म	जा
द	म	न	■	म	वा	ली	■	म
■	र	म	ल	■	ना	प	ना	■
स	■	क	ह	र	■	ना	का	म
ली	न	■	जा	त	क	■	रा	जा
का	र	क	■	न	ह	र	■	क
■	म	म	ता	■	वा	च	न	■
ना	■	ल	क	वा	■	ना	य	क
व	र	■	त	र	फ	■	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

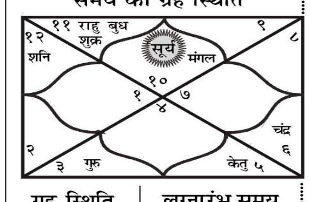

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.01 बजे से
चंद्र	कन्या में	मीन	08.34 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.04 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.42 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.56 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.12 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.24 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.35 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.49 ब.से
9.00 से 10.30		धनु	03.05 बजे से
बजे तक		मकर	05.10 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 38 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 02.55 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शूल 23.41 बजे को समाप्त। **करण** गर 14.03 बजे तदनन्तर वणिज 02.55 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 22' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872613 **जूलियन दिन** 2461078.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 18 **विशेष** यशोदा जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से बदली लोरमी के फल विक्रेता की किस्मत

लोरमी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों के लिए आर्थिक संबल बनकर सामने आई है। फुटकर व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनाने वाली इस योजना ने लोरमी के एक साधारण फल विक्रेता श्री सोना कैवर्त्य की किस्मत बदल दी। योजना के माध्यम से व्यवसाय को नई ऊंचाईयां देकर उन्होंने न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की, बल्कि नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में शामिल होकर जिले को गौरवान्वित किया। श्री सोना कैवर्त्य की उद्यमिता और योजना के सफल क्रियान्वयन को देखते हुए उन्हें इस वर्ष नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में विशिष्ट अतिथि दीर्घा में आमंत्रित किया गया। यह सम्मान उनकी मेहनत का परिणाम है। श्री कैवर्त्य ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने मुझे उस समय सहारा दिया जब पूंजी की सबसे ज्यादा कमी थी। दिल्ली में परेड देखना मेरे लिए सपने जैसा था। उन्होंने आर्थिक कठिनाइयों के समय प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ लेने भारतीय स्टेट बैंक की स्थानीय शाखा से 10 हजार रुपये का प्रथम ऋण प्राप्त कर अपने बंद पड़े व्यवसाय को दोबारा शुरू किया। समय पर ऋण चुकाने और बेहतर वित्तीय प्रबंधन से उन्हें आगे भी योजना का लाभ मिलने की संभावना बढ़ी। नगरपालिका अध्यक्ष श्री सुजीत वर्मा ने श्री कैवर्त्य की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना आज छोटे व्यापारियों के लिए नई उम्मीद और आत्मनिर्भरता की मजबूत राह बन रही है।

महतारी वंदन योजना से श्यामबती बेटियों का भविष्य कर रही सुरक्षित

बनचपई। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना से कोण्डागांव जिले के ग्राम पंचायत बनचपई की निवासी श्यामबती कोर्राम के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। श्यामबती कोर्राम महतारी वंदन योजना की लाभार्थी हैं। उन्हें इस योजना के अंतर्गत प्रति माह एक हजार रुपये की सहायता राशि नियमित रूप से उनके बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। इस आर्थिक सहयोग से वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से कर पा रही हैं, जिससे उनके जीवन में आत्मविश्वास और संतोष की भावना बढ़ी है।श्यामबती बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपनी दोनों बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सुकन्या समृद्धि योजना के खाते में जमा कर रही हैं। इसके साथ ही वे इस राशि से पौष्टिक आहार भी ले पा रही हैं, जिससे परिवार के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। 12वीं तक शिक्षित श्यामबती कोर्राम के लिए यह योजना आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत सहारा बनी है। महतारी वंदन योजना ने उन्हें न केवल आर्थिक संबल प्रदान किया है, बल्कि सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर भी दिया है। श्यामबती कोर्राम इस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करती हैं और कहती हैं कि यह योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

मनेंद्रगढ़ में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम से मरीजों को मिल रही है बड़ी राहत

विजय मत/एमसीबी

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (जीवनधारा) के अंतर्गत एमसीबी जिले में किडनी रोगियों को नि:शुल्क हेमोडायलिसिस सेवा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे अब तक पांच हजार से अधिक मरीजों को लाभ मिल चुका है। यह सुविधा विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिन्हें पहले उपचार के लिए अन्य जिलों अथवा राज्य के बाहर जाना पड़ता था।

अब नहीं जाना पड़ता अन्य जिलों में, पांच हजार से अधिक मरीजों को मिला नि:शुल्क उपचार का लाभ

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि जिले में 01 अक्टूबर 2024 से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था, जिसका उद्घाटन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा किया गया था। बीते डेढ़ वर्ष में अब तक 5,210 से अधिक मरीजों का सफल डायलिसिस किया जा चुका है। इनमें नेगेटिव 3503, पॉजिटिव (सी) 1474 तथा पॉजिटिव (बी) 232 मरीज शामिल हैं। वर्तमान में मनेन्द्रगढ़ स्थित 220 बिस्तरीय जिला चिकित्सालय में यह सुविधा पूर्णत: नि:शुल्क प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि डायलिसिस उन मरीजों के लिए आवश्यक होती है जिनकी किडनी की कार्यक्षमता 90 प्रतिशत से अधिक प्रभावित हो चुकी होती है। विशेष रूप से स्टेज-5 क्रोनिक किडनी रोग, अचानक किडनी फेल्योर, अनियंत्रित मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी जटिलताओं से पीड़ित मरीजों को इस उपचार की आवश्यकता पड़ती है।

डायलिसिस प्रक्रिया के माध्यम से शरीर से अपशिष्ट पदार्थ एवं अतिरिक्त तरल को बाहर निकालकर मरीजों को राहत दी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जब किडनी शरीर की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ हो जाए, शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगें, अत्यधिक थकान, उल्टी, सांस लेने में तकलीफ अथवा फेफड़ों में पानी भरने जैसी स्थिति उत्पन्न हो, तब डायलिसिस आवश्यक हो जाती है। यह प्रक्रिया मरीज की स्थिति के अनुसार अस्थायी या स्थायी दोनों प्रकार की हो सकती है। जिला अस्पताल में उपलब्ध इस नि:शुल्क सुविधा से मरीजों का आर्थिक बोझ कम हुआ है तथा उन्हें समय पर उपचार मिल रहा है, जिससे जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और भरोसा दोनों बढ़े हैं।

ट्रैफिक सिग्नल स्थलों पर बैनर, पोस्टर और होर्डिंग हटाने के लिए चलाया गया विशेष अभियान

अंबिकापुर। नगर पालिक निगम अम्बिकापुर द्वारा शहर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं तिराहों पर स्थापित ट्रैफिक सिग्नलों के आसपास लगाए गए विज्ञापन पोस्टर, बैनर एवं होर्डिंग हटाने हेतु आज विशेष अभियान चलाया गया।ज्ञात हो कि निगम द्वारा दिनांक 03 जनवरी 2024 को समाचार पत्रों में प्रकाशन के माध्यम से रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत ट्रैफिक सिग्नलों पर विज्ञापन प्रदर्शन, स्थापना, संचालन एवं संधारण का कार्य एजेंसी को प्रदान किया गया है। शर्तों के अनुसार राघव एडवरटाइजिंग, रायपुर द्वारा प्रति चौक 14,251 रुपए वार्षिक विज्ञापन शुल्क निगम में जमा करते हुए ट्रैफिक सिग्नलों की स्थापना एवं संधारण का कार्य किया जा रहा है।नगर निगम कमिश्नर श्री डी एन कश्यप ने बताया कि शहर विभिन्न ट्रैफिक सिग्नल स्थलों पर लगाए गए विज्ञापनों को समय-समय पर हटाने की कार्रवाई की जाती है। इसी क्रम में आज पुन: विशेष अभियान चलाकर चौक-चौराहों से सभी बैनर,पोस्टर होर्डिंग सामग्री हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

कंजिया हाई स्कूल में स्वास्थ्य चेतना शिविर छात्रों को दिए गए बेहतर जीवन के सूत्र

विजय मत/एमसीबी

स्वास्थ्य विभाग जनकपुर के तत्वावधान में शासकीय हाई स्कूल कंजिया में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए मानसिक स्वास्थ्य, आयुष चिकित्सा एवं बाल नेत्र सुरक्षा विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया।

शिविर के दौरान छात्रों को मानसिक तनाव से निपटने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आयुष चिकित्सा सत्र में प्राकृतिक जीवनशैली, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और दैनिक दिनचर्या में सुधार के उपाय बताए गए। वहीं बाल नेत्र सुरक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों की आंखों की जांच कर उन्हें डिजिटल स्क्रीन से होने वाले दुष्प्रभावों तथा आंखों की देखभाल के आवश्यक सुझाव प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सफल संचालन में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. रमन के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिवपाल सिंह ने आयुष एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों पर जानकारी दी। विकास खंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान ने कार्यक्रम के समन्वय एवं प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाई। नेत्र सहायक अधिकारी आर.एस. चेचाम ने विद्यार्थियों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया।

विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और समय पर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ मिलता है।

ग्रामीण जल प्रबंधन को मजबूती : हैंडपंप तकनीशियन और जल मित्रों का प्रशिक्षण शिविर

विजय मत/एमसीबी

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (प्रशिक्षण वर्ष 2025-26) के अंतर्गत जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन द्वारा समस्त हैण्डपंप तकनीशियन एवं जल मित्रों के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना (मॉडल जीपीडीपी) विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, जल आपूर्ति व्यवस्था के प्रभावी संचालन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान जल जीवन मिशन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई तथा फील्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं, चुनौतियों एवं उनके व्यावहारिक समाधान पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर एवं जिला समन्वयक (सीडीएटी) रितेश डिक्सेना ने प्रतिभागियों को तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं आईईसी प्रतिनिधि नवीन कुमार की भी सक्रिय सहभागिता रही। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने ग्राम पंचायत विकास योजना की प्रक्रिया, जल स्रोतों के संरक्षण, हैंडपंपों के रखरखाव एवं ग्रामीण जल प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में शामिल हैंडपंप तकनीशियनों एवं जल मित्रों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ग्राम स्तर पर योजनाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित होगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

फाईलेरिया उन्मूलन हेतु सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम 2026 के तहत जिला समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

अंबिकापुर। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बुधवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभाकक्ष मंथन में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। सरगुजा जिले के सभी विकासखण्डों में फाईलेरिया उन्मूलन के तहत 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक फाइलेरिया रोधी दवा पुरे योग्य जनसमूह को खिलाई जाएगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2027 तक फाईलेरिया का उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान फाईलेरिया मुक्ति अभियान अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन के सफल क्रियान्वयन में सहयोग हेतु समस्त विभागों को कहा गया, ताकि कार्यक्रम का लाभ शत-प्रतिशत जनसमूदाय को प्राप्त हो सके। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी.एस. मार्को, जिला मलेरिया एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ राजेश कुमार गुप्ता सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' : अखिलेश ने बदली अपनी किस्मत

विजय मत/अंबिकापुर

शासन की महत्वाकांक्षी योजना पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों के जीवन में उजियारा फैला रही है। इस योजना का लाभ उठाकर न केवल लोग बिजली बिल के बोझ से मुक्त हो रहे हैं, बल्कि बिजली बेचकर 'ऊर्जादाता' की नई पहचान भी बना रहे हैं। लखनपुर के रहने वाले अखिलेश कुमार राजवाड़े के लिए अब सूरज की किरणें केवल उजाला ही नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि भी लेकर आ रही हैं। 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' का लाभ उठाकर अखिलेश ने अपने घर की छत पर 2 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है, जिससे उनका भारी-भरकम बिजली बिल अब पूरी तरह शून्य हो गया है।

शासन की सब्सिडी ने बनाया राह आसान

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की वित्तीय सुगमता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मिली सब्सिडी ने सोलर पैनल लगवाना बेहद किफायती बना दिया है। अखिलेश को केंद्र सरकार से 60,000 रुपए और राज्य सरकार से 30,000 रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है। इस योजना में उन्हें कुल 90,000 रुपए की आर्थिक मदद से मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना अब एक सुलभ निवेश बन गया है।

उपभोक्ता से 'ऊर्जादाता' तक का सफर

अखिलेश बताते हैं कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनका मासिक बिजली बिल 2,000 से 2,500 रुपए के बीच आता था। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने गर्व से कहा कि पहले हम केवल बिजली के उपभोक्ता थे, लेकिन अब हम 'ऊर्जादाता' बन गए हैं। अपनी जरूरत पूरी करने के बाद जो अतिरिक्त बिजली बचती है, उसे हम छ्ब्क्ब्स् (छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड) को बेच रहे हैं, जिसका भुगतान वित्तीय वर्ष के अंत में किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण की ओर कदम

अखिलेश कुमार ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को पर्यावरण के लिए भी क्रांतिकारी बताया। उनके अनुसार, पारंपरिक बिजली उत्पादन में होने वाले प्रदूषण और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के मुकाबले सौर ऊर्जा पूरी तरह स्वच्छ है। इससे न केवल आर्थिक लाभ हो रहा है, बल्कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रदूषण मुक्त वातावरण भी तैयार कर रहे हैं।

आम जन से अपील

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर कमलेश ने अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए केंद्र और राज्य सरकार का आभार जताया और अन्य नागरिकों से भी इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है, बल्कि देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

रायगढ़ पुलिस का 48 घंटे का महा अभियान, 214 फरार वारंटी गिरफ्तार

विजय मत/रायगढ़

जिला पुलिस ने फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए 48 घंटे का विशेष महा अभियान चलाया. इस दौरान जिले के सभी थाना और चौकी क्षेत्रों में पुलिस टीमों को एक साथ तैनात कर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी गई.इस विशेष अभियान में पुलिस ने जिलेभर से कुल 214 फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की. सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है.

राज्य के बाहर तक पहुंची पुलिस

अभियान की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीमों ने छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों के साथ-साथ राज्य के बाहर जाकर भी फरार वारंटियों की तलाश की. लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को पकड़कर रायगढ़ लाया गया.

22 साल बाद पकड़ा गया फरार आरोपी

तमनार थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली. वर्ष 2004 के मारपीट और चोरी के मामले में 22 साल से फरार वारंटी साधुराम राठिया को गिरफ्तार किया गया. आरोपी पंजाब में छिपकर रह रहा था. गांव लौटने की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर लिया.

तमनार थाना रहा सबसे आगे

इस अभियान में तमनार पुलिस ने सर्वाधिक सफलता हासिल की. 26 स्थायी वारंट और 2 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए.

चौकी खरसिया - 4 स्थायी, 6 गिरफ्तारी

कोई भी आरोपी या वारंटी अपराध कर छिप नहीं सकता. रायगढ़ पुलिस आगे भी फरार आरोपियों के विरुद्ध इसी तरह कठोर कार्रवाई करती रहेगी.- एसएसपी शशि मोहन सिंह

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं एडिशनल एसपी के मार्गदर्शन में यह अभियान आगे भी जारी रहने का दावा पुलिस ने किया है.

थाना और चौकीवार कार्रवाई की जानकारी

लैलूंगा - 15 स्थायी, 12 गिरफ्तारी
कोतवाली - 11 स्थायी, 6 गिरफ्तारी
चक्रधरनगर - 10 स्थायी, 14 गिरफ्तारी
खरसिया - 10 स्थायी, 7 गिरफ्तारी
पुसौर - 8 स्थायी, 11 गिरफ्तारी
पूंजीपथरा - 5 स्थायी, 11 गिरफ्तारी
छाल - 4 स्थायी, 11 गिरफ्तारी
कोतरारोड - 4 स्थायी, 3 गिरफ्तारी
भूपदेवपुर - 4 स्थायी, 2 गिरफ्तारी
जूटमिल - 2 स्थायी, 14 गिरफ्तारी
कापू - 4 स्थायी
धरमजयगढ़ - 1 स्थायी
घरघोड़ा - 3 स्थायी
चौकी रैरूमाखुर्द - 2 स्थायी, 3 गिरफ्तारी

जल निकायों में मछली बीज का संचयन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई रफ़्तार

विजय मत/जशपुर

मछली पालन विभाग, जशपुर द्वारा नदी एवं एनीकट्स के माध्यम से मछली पालन करने वाली समितियों एवं समूहों के सदस्यों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से जिले के विभिन्न एनीकट्स में मत्स्य बीज फिंगरलिंग का संचयन कराया गया। इस पहल से स्थानीय मछुआ किसानों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा मछली के सेवन से पोषण स्तर में भी सुधार आएगा।

जिले की इस अंतर्गत किलकिला एनीकट, विकासखंड पत्थलगांव, मैनी एनीकट विकासखंड कांसाबेल, डुमरटोली एवं सुरजुला एनीकट विकासखंड मनोरा, कोकिया (तुमला) एनीकट विकासखंड फरसाबहार, साहीडांड़ एनीकट विकासखंड बगीचा तथा हल्दीमुण्डा एनीकट विकासखंड कुनकुरी में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में मत्स्य बीज का संचयन किया गया। यह संपूर्ण कार्यक्रम जे.के. पैंकरा, सहायक संचालक मछली पालन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

बस्तर के छात्रों ने सीखी परीक्षा की बारीकियां

जगदलपुर । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे श्छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025-26श् के अंतर्गत जगदलपुर में विद्युत विभाग द्वारा एक वृहद और उत्साहजनक कार्यक्रम श्रृंखला का आयोजन किया गया। 30 जनवरी से 6 फरवरी तक चले इस सप्ताहव्यापी समारोह में क्षेत्रीय स्तर पर व्यापक जन-भागीदारी देखने को मिली।

इस आयोजन में क्षेत्रीय कार्यालय जगदलपुर के साथ-साथ बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कांकेर, कोण्डागांव, नारायणपुर, पखांजूर और भानुप्रतापपुर सहित 10 संभागीय कार्यालयों तथा 87 वितरण केन्द्रों ने सक्रिय भूमिका निभाई। युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से 4 विद्यालयों और 2 महाविद्यालयों को भी इस अभियान से जोड़ा गया, जिसमें दंतेश्वरी महिला महाविद्यालय जगदलपुर और शासकीय गर्ल्स कॉलेज कांकेर प्रमुख रहे। इस दौरान पीएम सूर्यघर योजना के चलित मॉडल के माध्यम से आमजन को सौर ऊर्जा के लाभों के प्रति जागरूक किया गया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण 5 फरवरी को कुम्हरावण्ड स्थित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित क्षेत्रीय स्तरीय समारोह रहा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्युत विभाग के कार्यपालक निदेशक (क्षेत्रीय, जगदलपुर) टीके मेश्राम ने की। समारोह की गरिमा बढ़ाने के लिए विशेष अतिथि के रूप में बस्तर जनपद अध्यक्ष संतोष बघेल सहित अन्य गणमान्य नागरिक मंचासीन रहे।

बीजापुर का नांबी

संघर्ष के साये से निकलकर पर्यटन के क्षितिज तक

विजय मत/बीजापुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में अब विकास की नई तस्वीर उभरने लगी है। कलेक्टर संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश एवं उपनिदेशक इन्द्रावती टाइगर रिजर्व संदीप बलगा के मार्गदर्शन में पुजारी कांकेर परिक्षेत्र अंतर्गत पामेड़ क्षेत्र में स्थित ग्राम नंबी में इंद्रावती टाइगर रिजर्व से जुड़े क्षेत्र में [illegible] योजना के तहत होम-स्टे एवं इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय सेक्टर स्पेसिफिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन 6 फरवरी 2026 को हुआ।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने के बाद इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आजीविका आधारित विकास का प्रभावी

माध्यम माना जा रहा है। कार्यक्रम की नोडल एजेंसी छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन रही, जबकि प्रशिक्षण Choice Consultancy Service Pvt. Ltd. द्वारा प्रदान किया गया। इस पहल को सफल बनाने में जिला प्रशासन और वन विभाग का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीणों को होम-स्टे संचालन, अतिथि सत्कार, स्वच्छता, सुरक्षा मानक, स्थानीय एवं पारंपरिक व्यंजन, पर्यावरण संरक्षण तथा पर्यटकों से व्यवहार से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि इको-टूरिज्म के माध्यम से जंगल, वन्यजीव और स्थानीय संस्कृति को संरक्षित रखते हुए स्थायी रोजगार और आय के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं।

कार्यक्रम के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि कभी नक्सल गतिविधियों के लिए पहचाने जाने वाले पुजारी कांकेर तथा पामेड़ क्षेत्र में अब विकास, पर्यटन और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस शुरुआत हो चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे अपने गांव के भविष्य के लिए बेहद लाभकारी बताया। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार की पहल से नंबी गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में युवाओं को गांव में ही रोजगार मिलेगा और बीजापुर जिले की पहचान अब केवल नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि इको-टूरिज्म और संरक्षण आधारित विकास मॉडल के रूप में स्थापित होगी।

ग्राम सभा की ताकत से बदली गांव की तक़दीर

धुड़मारास की तरह अब तिरिया गांव भी पर्यटन के नक्शे में बना रहा पहचान

विजय मत/बस्तर

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का एक छोटा सा गांव तिरिया आज पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बन गया है. पर्यटन के क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने ही ऐसा कमाल किया कि अब पर्यटक यहां खींचे चले आते हैं. कभी माओवाद और डर के साए में जीने वाला यह गांव अब जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का बेहतरीन मॉडल पेश कर रहा है. ग्राम सभा को मजबूत बनाकर तिरिया गांव ने न सिर्फ अपने जंगल बचाए, बल्कि रोजगार और आमदनी के नए रास्ते भी खोले हैं.

देश-विदेश से लोग सीखने आ रहे हैं तिरिया मॉडल

तिरिया गांव का वन प्रबंधन और विकास मॉडल देखने देश के कई राज्यों से लोग पहुंच रहे हैं. ग्रामीण खुद अपने अनुभव साझा करते हैं और प्रशिक्षण भी देते हैं. यह बस्तर के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है.

जंगल के बीच बसा तिरिया गांव

बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर से करीब 40 किलोमीटर दूर, माचकोट वन परिक्षेत्र के भीतर बसा तिरिया गांव आज चर्चा का विषय है. गांव की कुल आबादी लगभग 420 है. ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2020 में गांव ने वन अधिकार कानून के तहत सामुदायिक दावा पेश किया था. दावे के बाद तिरिया गांव को 3057.76 हेक्टेयर भूमि पर सामुदायिक वन अधिकार पत्र मिला. इसके साथ ही गांव को जंगल की सुरक्षा और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी सौंपी गई. यहीं से तिरिया गांव की तस्वीर तेजी से बदलने लगी.

ग्रामीण खुद कर रहे जंगल की रखवाली

कोर कमेटी सदस्य लुक्कूराम नाग बताते हैं कि सामुदायिक अधिकार मिलने के बाद ग्राम सभा ने जंगल की रक्षा खुद संभाल ली. गांव में 23-23 लोगों के तीन समूह बनाए गए हैं. कुल 69 ग्रामीण जंगल की निगरानी करते हैं.卐 ग्रामीण दो-दो दिन का राशन और पानी लेकर जंगल में रुकते हैं. ओडिशा सीमा से अवैध कटाई की सूचना मिलते ही दिन-रात मौके पर पहुंच जाते हैं.

ग्राम सभा से शुरू हुआ ईको टूरिज्म

ग्राम सभा अध्यक्ष जय नाग के अनुसार अधिकार पत्र मिलने के बाद हमने ईको टूरिज्म शुरू किया. तिरिया के झरने, पहाड़ और घने जंगल अब पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं. ईको टूरिज्म से गांव को लाखों रुपये की आमदनी हो रही है. इससे युवाओं को गांव में ही रोजगार मिल रहा है.

प्लास्टिक, शराब और लाउडस्पीकर पर रोक

ग्रामीणों ने गांव और पर्यटन स्थल से कचरे की पूरी सफाई की. अब यहां ईको-फ्रेंडली कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक पर प्रतिबंध, शराब सेवन पर रोक, लाउडस्पीकर पर रोक जैसे नियम लागू हैं, ताकि पर्यटक सुरक्षित और शांत वातावरण में प्रकृति का आनंद ले सकें.

पर्यटकों की जुबानी तिरिया की कहानी

मैं 17 देशों की यात्रा कर चुका हूं, लेकिन जो आनंद बस्तर में मिला, वो कहीं नहीं. तिरिया की प्रकृति अद्भुत है.- संदीप जैन, पर्यटक

परिवार के साथ पहली बार आए थे, प्राकृतिक सौंदर्य देखकर खो गए. ऐसा आनंद कहीं और नहीं. अमिताभ श्रीवास्तव, पर्यटक

लोग कश्मीर और मनाली जाते हैं, लेकिन बस्तर की खूबसूरती सबसे अलग है. एक बार जो आया, वापस आने का मन करता है.- रोहित त्रिवेदी, पर्यटक

बस्तर के लिए गर्व की बात बना तिरिया गांव

तिरिया गांव ने यह साबित कर दिया कि अगर ग्राम सभा सशक्त हो, तो गांव अपने संसाधनों की रक्षा भी कर सकता है और विकास की नई इबारत भी लिख सकता है।

अमेरिकन कायला बनीं हिंदुस्तानी बहू, पेंड्रा के अंकित पर आया दिल

विजय मत/गौरेला पेंड्रा मरवाही । कहते हैं प्यार को सरहद भी नहीं रोक पाते,ऐसा ही कुछ देखने को मिला छत्तीसगढ़ के पेंड्रा में.जहां सात समंदर पार से दुल्हन आई है. अमेरिका में रहने वाली कायला ने भारतीय मूल के अंकित को अपना दिल दे दिया.इसके बाद दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें खाई और आखिरकार वैवाहिक बंधन में बंध गए. मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक के मनोरम प्राकृतिक परिवेश में स्थित नर्मदे आनंदम रिसॉर्ट इस ऐतिहासिक विवाह का साक्षी बना. जहां भारतीय परंपराओं और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यह अनोखा विवाह संपन्न हुआ. पेंड्रा के प्रतिष्ठित होटल व्यवसायी रमेश साहू के बेटे अंकित साहू उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका के मिलवोकी गए थे. इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे वहीं एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में जॉब करने लगे. इसी दौरान अंकित की मुलाकात कायला से हुई, जो अमेरिका में मेकेनिकल इंजीनियर हैं और पार्ट्स डिजाइनिंग के क्षेत्र में काम करती हैं. कामकाज के दौरान शुरू हुई दोस्ती धीरे-धीरे प्रेम में बदल गई. इसके बाद दोनों ने अपने-अपने परिवारों की सहमति से भारतीय रीति-रिवाजों के साथ विवाह करने का फैसला लिया.इस खास अवसर पर दुल्हन पक्ष से लगभग डेढ़ दर्जन परिजन और मित्र अमेरिका से भारत पहुंचे. विवाह समारोह पूरी तरह हिंदू परंपराओं के अनुसार संपन्न हुआ, जिसमें सात फेरे, मंत्रोच्चार और सिंदूर दान जैसी रस्में शामिल रहीं. भारतीय शादी की रंग-बिरंगी परंपराओं और संस्कारों ने विदेशी मेहमानों को खासा प्रभावित किया. शादी समारोह के दौरान स्थानीय लोग, रिश्तेदार और विदेशी मेहमान नवविवाहित जोड़े के साथ फोटो और सेल्फी लेते नजर आए. विवाह की तस्वीरें जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुईं।

कवर्धा में एक घर से दो कपल और स्कूली छात्रा पकड़ाए , मकान मालिक गिरफ्तार

कवर्धा । छत्तीसगढ़ के वनांचल जिले कवर्धा में एक अलग तरह के क्राइम का खुलासा हुआ है. यहां के मजगांव इलाके में एक मकान से पांच लोगों को पुलिस ने पकड़ा है. इसमें दो कपल और एक स्कूली छात्रा शामिल हैं. ये सभी एक मकान से पकड़े गए हैं. इस केस में खुलासा हुआ है कि कपल को गैरकानूनी तरीके से रूम उपलब्ध कराने का खेल लंबे समय से चल रहा था. पुलिस को शिकायत मिली उसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो कपल और एक छात्रा को पकड़ा है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मजगांव रोड स्थित एक मकान में यह कार्रवाई की गई. यहां एक मकान में लंबे समय से अवैध तरीके से रूम किराए पर दिए जा रहे थे. शिकायत के आधार पर पुलिस ने दबिश दी, जहां घर के अंदर दो कपल और एक स्कूली छात्रा स्कूल ड्रेस में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले. मौके की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने तत्काल सभी से पूछताछ की है और मकान मालिक को गिरफ्तार कर लिया है।

बस्तर के छात्रों ने सीखी परीक्षा की बारीकियां, डिजिटल माध्यम से पीएम मोदी ने दिया सफलता का मंत्र

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय संवाद कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण ने बस्तर जिले में जन-भागीदारी और तकनीकी उपयोग के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जिले में इस आयोजन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखा गया और निर्धारित 1574 स्थानों के लक्ष्य को बहुत पीछे छोड़ते हुए कुल 2231 स्कूलों में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। बस्तर के सुदूर वनांचलों से लेकर शहरी इलाकों तक, कुल 1,05,674 विद्यार्थियों ने एक साथ प्रधानमंत्री के तनाव मुक्तश् मंत्र को सुना और परीक्षा को उत्सव की तरह मनाने का संकल्प लिया। इस बार का आयोजन बस्तर में शिक्षा के बदलते स्वरूप और डिजिटल क्रांति की जीती-जागती मिसाल बन गया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक माध्यमों से आगे बढ़कर तकनीक को गले लगाया। आंकड़ों के मुताबिक, सर्वाधिक 66 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने यूट्यूब के माध्यम से इस कार्यक्रम में सहभागिता की, जो यह साबित करता है कि अब बस्तर के अंदरूनी इलाकों में भी इंटरनेट और स्मार्टफोन शिक्षा के सशक्त माध्यम बन चुके हैं। डिजिटल माध्यमों के अलावा लगभग 16,500 विद्यार्थियों ने दूरदर्शन, 14,500 ने रेडियो और करीब 6,800 छात्रों ने पीएम ई-विद्या चैनलों के जरिए प्रधानमंत्री के प्रेरक शब्दों को सुना।

पंडरिया में जैन मंदिर में बड़ी चोरी सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

विजय मत/कवर्धा

अज्ञात चोरों ने तीन दान पेटियों का ताला तोड़कर लाखों रुपए पर हाथ साफ कर दिया.

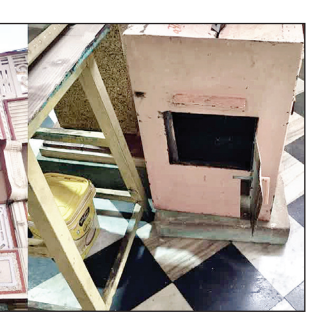

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में चोर अब मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं. कबीरधाम जिले के पंडरिया नगर में एक सनसनीखेज चोरी की घटना सामने आई है. थाना पंडरिया के ठीक सामने, महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित जैन श्वेतांबर मंदिर में अज्ञात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया. चोर मंदिर परिसर में रखी गई 3 दान पेटियों के ताले तोड़कर करीब दो लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए.

घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह मंदिर के पुजारी और समाज के लोगों को हुई, जब मंदिर खोला गया और दान पेटियों के ताले टूटे मिले. इसके बाद तत्काल जैन समाज के पदाधिकारियों ने थाना पंडरिया में इसकी सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया. मंदिर में हुई इस चोरी की वारदात को लेकर जैन समाज में भारी आक्रोश देखा जा रहा है.

थाने के सामने भी मंदिर सुरक्षित नहीं

समाज के लोगों का कहना है कि जब पुलिस थाना के ठीक सामने स्थित धार्मिक स्थल भी सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है. लोगों ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा इंतजामों पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं. जैन समाज अध्यक्ष हरीश जैन ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह केवल चोरी की घटना नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था पर हमला है. उन्होंने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी की राशि बरामद करने की मांग की है.

फिलहाल पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के जांच शुरू कर दी है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि चोरों की पहचान की जा सके. पुलिस का दावा है कि जल्द ही इस मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

शिक्षकों पर ना आने का आरोप

प्राथमिक स्कूल बनियागांव की शिक्षा व्यवस्था चरमराई

विजय मत/कोंडागांव

कोंडागांव के बनियागांव जनपद प्राथमिक शाला में शिक्षा व्यवस्था की अनोखी तस्वीर देखने को मिली है. प्राथमिक शाला में पहली से पांचवीं तक के कुल 25 छात्र-छात्राएं रोजाना स्कूल तो पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षक नदारद हैं.ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय बिना शिक्षक के ही खुल और बंद हो रहा है.

बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

ग्रामीणों के अनुसार स्कूल में बच्चों को न तो नियमित पढ़ाई मिल रही है और न ही कोई जिम्मेदार उनकी निगरानी करता है. इससे बच्चों की सुरक्षा और भविष्य दोनों पर सवाल खड़े हो रहे हैं. सबसे गंभीर चिंता इस बात की है कि कक्षा पांचवीं के बच्चों की बोर्ड परीक्षा नजदीक है, लेकिन यहां पढ़ाई लगभग ठप पड़ी है. ऐसे में बच्चों की शैक्षणिक तैयारी कैसे होगी, यह बड़ा सवाल है.

स्कूल के दोनों शिक्षकों की BLO (बूथ लेवल ऑफिसर) ड्यूटी लगाई गई है. इसी वजह से वे अधिकतर समय फील्ड में रहते हैं और स्कूल में अव्यवस्था की स्थिति बन रही है

- देवराज सोढ़ी, CAC

आपको बता दें कि स्कूल में तैनात शिक्षकों के नाम अजय कौशिक और सुशील पांडेय हैं. जिन्हें शासकीय कार्य के कारण विद्यालय नहीं आने की छूट मिली हुई है.लेकिन इस छूट के कारण बच्चों की पढ़ाई कैसे होगी ये कोई नहीं जानता. वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षकों की चुनाव ड्यूटी लगाने से पहले ही वो विद्यालय नहीं आ रहे हैं.

चुनावी या अन्य शासकीय कार्यों के नाम पर शिक्षा को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिसका सीधा असर बच्चों के भविष्य पर पड़ रहा है- डिकेंद्र सेठिया, वार्ड पंच, बनियागांव

ग्रामीणों ने स्कूल का वीडियो बनाकर किया वायरल

स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने स्कूल की वास्तविक हालत का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया, ताकि जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित हो सके. ग्रामीणों ने मांग की है कि बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता देते हुए स्कूल में नियमित शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि शिक्षा का स्तर और बच्चों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

टी20 विश्वकप में आज अमेरिका पर जीत के साथ अपना अभियान शुरु करने उतरेगी भारतीय टीम

मुम्बई,एजेंसी

शाम 7 बजे से शुरु होगा मैच

मुंबई । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम शनिवार को यहां टी20 विश्वकप के अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 4-1 से जीत दर्ज की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। भारतीय टीम के पास अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसी आक्रामक जोड़ी है।

तिलक वर्मा की वापसी से भी टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। वहीं टीम की गेंदबाजी अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती पर आधारित रहेगी। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस साल की शुरुआत से ही फार्म में आ गये हैं जिसका भी लाभ टीम को मिलेगा। ईशान किशन ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पिछले कुछ समय में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। ईशान और अभिषेक शर्मा की जोड़ी भारतीय टीम को धमाकेदार शुरुआत दे सकती है।

भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इसके बाद भी वह अमेरिकी टीम को हल्के में नहीं लेगी। अमेरिकी टीम ने पिछली बार पाकिस्तान हराने के बाद सुपर आठ में भारतीय टीम को भी कड़ी टक्कर दी थी। अमेरिकी टीम ने पिछले साल 9 में से आठ मैच जीते हैं और टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंका में तीन सप्ताह के शिविर में भाग लिया है।

ऐसे में उसे कमजोर नहीं माना जा सकता। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। अमेरिकी टीम की कप्तानी भारतीय मूल के मोनांक पटेल के पास है। उन्हें साइतेजा मुक्कमल्ला तथा मिलिंद कुमार से पूरा सहयोग मिला। वहीं गेंदबाजी में सौरभ नेत्रावलकर , हरमीत सिंह जैसे खिलाड़ी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्र वर्ती।

अमेरिका मोनांक पटेल (कप्तान/विकेटकीपर), स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, एंड्रीज़ गौस, मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, निश्थुश केनजिगे, सौरभ नेत्रावलकर और अली खान।

हेजलवुड टी20 विश्व कप से बाहर हुए: सीए

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 विश्वकप से पहले ही करारा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार हेजलवुड को टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण बाहर कर दिया गया है। हेजलवुड को एशेज सीरीज शुरू होने से पहले ही शेफील्ड शील्ड के अंतिम मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल सके। रिकवरी के दौरान उन्हें एड़ी में भी समस्या हो गई, जिससे उनकी वापसी अभी संभव नहीं है। हेजलवुड पिछले साल 12 नवंबर के बाद से से ही मैदान से बाहर हैं। इसके बाद भी उन्हें विश्व कप तक फिट होने की उम्मीद में टीम में शामिल किया गया था हालांकि वह टीम के साथ श्रीलंका नहीं गये थे।

चयनकर्ता टोनी डोडमाइड ने कहा, हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 स्टेज तक मैच फिटनेस हासिल कर लेंगे पर इसमें उन्हें अभी कुछ समय लगेगा।

मंधाना को डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी के साथ ही मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

वड़ोदरा,एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दूसरी बार खिताब जीत है। इस जीत के दौरान मंधाना ने 87 रनों की आक्रामक पारी खेली जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। आरसीबी ने इससे पहले 2024 में डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता है। आरसीबी को विजेता बनने पर 6 करोड़ का इनाम मिला।

वहीं चौथी बार फाइनल में उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ का इनाम मिली। इसके अलावा स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और सोफी डिवाइन को भी पांच-पांच लाख रुपये की इनामी राशि मिली है। मंधाना ने लीग में सबसे अधिक 377 रन बनाये। वहीं सोफी डिवाइन ने 17 विकेट के साथ पर्पल कैप जीती। युवा खिलाड़ी नंदनी शर्मा ने भी 17 विकेट लिए जिसके लिए उस भी उभरती हुई खिलाड़ी का इनाम मिला। सोफी को मोस्ट वेल्यूएबल प्लेयर और मोस्ट आईक्यू ऑफ द ईयर का इनाम मिला। मुम्बई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस साल लीग में सबसे ज्यादा छक्के लगाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत पर 6 करोड़ की ईनामी राशि मिली।

12 के बाद भारत से खेलने तैयार हो जाएगा पाक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन शर्मा ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) 12 फरवरी के बाद भारत से खेलने को तैयार हो जाएगा। चेतन के अनुसार पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का विश्वकप बहिष्कार का फैसला राजनीतिक है और इसमें बदलाव आना तय है।चेतन का ये बयान हैरानी भरा लगा है क्योंकि गत दिवस ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने साफ कर दिया कि उनकी टीम टी20 विश्वकप में खेलेगी पर भारतीय टीम के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को अब भी उम्मीद है कि पाकिस्तान के रुख में बदलाव होगा।

एक बार फिर चैम्पियन बना गर्व की बात : विराट

वडोदरा,एजेंसी

स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दूसरी बार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) खिताब जीता है। खिताबी मुकाबले में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराया। आरसीबी की कप्तानी करते हुए मंधाना ने फाइनल मुकाबले में 41 गेंद में 87 रन बनाये। वहीं जॉर्जिया वोल ने 79 रन बनाए। मंधाना और जॉर्जिया वोल ने दूसरे विकेट के लिए 165 रन बनाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के अर्धशतक की सहायता से 15 गेंद में 35 रन बनाये। इस प्रकार दिल्ली ने 4 विकेट पर 203 रन बनाये। आरसीबी ने 19.4 ओवरों में ही ये लक्ष्य मंधान और जॉर्जिया के शानदार प्रदर्शन से हासिल कर लिया।

कोहली ने इस शानदार जीत पर खुशी जताते हुए सोशल मीडिया में लिखा, ÷एक बार फिर चैंपियन। आरसीबी का झंडा ऊंचा रखने के लिए और यह हर किसी के लिए गर्व की बात है।

आरसीबी ने इससे पहले साल 2024 में डब्ल्यूपीएल जबकि पुरुष टीम ने 2025 में आईपीएल खिताब जीता था। इस अवसर पर भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा, +बड़े मौके, बड़े लीडर। मंधाना ने सबसे बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। जॉर्जिया वोल ने भी अच्छा साथ दिया, जिससे आरसीबी की महिला टीम ने अपना दूसरा डब्ल्यूपीएल खिताब अपने नाम किया।

आरसीबी की इस जीत पर विराट कोहली भी खुशी से झूम उठे। कोहली आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी का हिस्सा रहे हैं, उन्होंने लंबे समय तक टीम की कप्तानी भी की है। 17 साल ट्रॉफी का उन्होंने इंतजार किया था, ऐसे में वह इसका महत्व जानते हैं। कोहली ने मंधाना और टीम को सोशल मीडिया के जरिए बधाई दी है और उन्हें इस जीत का अधिकारी बताया है। बता दें, दिल्ली ने आरसीबी के सामने जीत के लिए 204 रनों का लक्ष्य रखा था,आरसीबी ने एक ओवर और 2 गेंदें पहले ही हासिल कर लिया था।

।फ्रेंचाइजी ने तीन साल में तीन खिताब जीत

आरसीबी के दूसरी बार चैंपियन बनने पर विराट ने लिखा, "फिर से चैंपियन। आरसीबी का झंडा ऊंचा लहराते हुए जिस पर आप सभी गर्व कर सकते हैं। मंधाना और पूरी टीम को इस शानदार जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। आप लोग इसके अधिकारी हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। इस पल का आनंद लें और प्रशंसकों के प्यार को भी महसूस करें।" यह पहली बार है कि पुरुषों और महिलाओं दोनों खिताब एक ही फ्रेंचाइजी ने जीते हैं। आरसीबी की पुरुष टीम आईपीएल की गत विजेता है। वहीं महिला टीम 2026 में चैंपियन बनी है। मंधाना ने आरसीबी की इस जीत पर कहा, "बहुत खुश हूं। फिर से, मुझे लगता है कि आरसीबी के प्रशंसक दुनिया के सबसे अच्छे प्रशंसक हैं, हम जहां भी खेलते हैं, हमें बहुत समर्थन मिलता है। वे इंतजार करते रहते हैं। उन्हें पता है कि हम जो कुछ भी करते हैं, वह उनके लिए करते हैं। फ्रेंचाइजी ने तीन साल में तीन खिताब जीते हैं।

श्रीलंकाई बोर्ड ने पाकिस्तान से मैच के बहिष्कार का फैसला बदलने को कहा

कोलंबो,एजेंसी

श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान से कहा है कि उसे 15 फरवरी को भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार के अपने फैसले पर फिर विचार करना चाहिये। पाक ने बांग्लादेश के समर्थन में ये मैच नहीं खेलने की घोषणा की है। ये मैच कोलंबो में होना है जिसके न होने से श्रीलंकाई बोर्ड को भी काफी नुकसान होगा। इसी को लेकर श्रीलंकाई बोर्ड नाराज है और उसने पाक बोर्ड को पूरानी बातें याद दिलायीं हैं। जब कोई टीम सुरक्षा कारणों से पाक नहीं जा रही थी तब उसने एक सीरीज खेली थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने पीसीबी को पत्र लिखकर कोलंबो में भारत के खिलाफ मैच छोड़ने के फैसले पर फिर विचार करने को कहा है। इस पत्र में श्रीलंकाई बोर्ड ने कहा है कि पाकिस्तान का टूर्नामेंट में भाग लेने के बाद भी 15 फरवरी को होने वाले मैच में नहीं खेलना ठीक नहीं है।

व्यापार

आरबीआई ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, रेपो रेट 5.25 फीसदी पर बरकरार

मुंबई, एजेंसी

वर्ष 2026 के पहले मौद्रिक नीति समिति के फैसलों का एलान शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने किया। केंद्रीय बजट 2026 और हाल ही में हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बाद यह पहली नीतिगत समीक्षा है, जिस पर दलाल स्ट्रीट और आर्थिक जगत की निगाहें टिकी थीं। आरबीआई ने इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है और इसे यथास्थिति बनाए रखा है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने उम्मीदों के अनुरूप रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रखने का फैसला किया है। पॉलिसी बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि देश में महंगाई दर अनुमानित दायरे में बनी हुई है। उन्होंने इसे हाई ग्रोथ और लो इन्फ्लेशन का अनुकूल दौर ताया। गवर्नर के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन मजबूत रहा है और आगे भी इसमें स्थिरता की उम्मीद है। अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए सर्वे में अधिकांश विशेषज्ञों ने ब्याज दरों को लेकर सतर्क रुख अपनाने की बात कही। उनका मानना है कि तब तक दरों में कटौती नहीं की जानी चाहिए जब तक आर्थिक वृद्धि में बड़ी गिरावट का खतरा न हो। भारत पर लगाए गए शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा से पहले किया गया था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ अनुमान 7.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है। वहीं वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए ग्रोथ अनुमान 6.9 प्रतिशत और दूसरी तिमाही के लिए 7 प्रतिशत किया गया है।

ऋण देने की अनुमति देने पर कर रहा विचार

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुरु वार को रियल एस्टेट क्षेत्र के वित्तपोषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैंकों को रील एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) को ऋण देने की अनुमति देने का प्रस्ताव पेश किया। इस कदम के पीछे मकसद है निवेशकों और बैंकों दोनों के लिए वित्तीय तरलता बढ़ाना। रीट ऐसे निवेश माध्यम हैं जो आय उत्पन्न करने वाली रियल एस्टेट संपत्तियों के मालिक होते हैं या उनका संचालन करते हैं। निवेशक सीधे संपत्ति खरीदे बिना संपत्ति से होने वाली आय में हिस्सा ले सकते हैं। भारत में रीट और इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की अवधारणा संस्थागत और खुदरा निवेशकों के कोष के माध्यम से निवेश पुनर्वित्त करने और बैंकों के फंसे कोष को मुक्त करने के लिए बनाई गई थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति में कहा कि कुछ विवेकपूर्ण सुरक्षा उपायों के साथ बैंकों को रीट को ऋण देने की अनुमति देने पर विचार किया जा रहा है। वर्तमान में, केवल इरविट को बैंक ऋण की अनुमति है, जबकि रीट को यह अनुमति नहीं थी।

मॉर्गन स्टेनली ने एईएसएल को ओवरवेट रेटिंग दी

मुंबई । ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) के शेयर की कवरेज शुरू करते हुए इसे ओवरवेट रेटिंग दी और टारगेट प्राइस 1,133 रुपए रखा। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि एईएसएल भारत में लंबे समय में पावर ग्रिड के विस्तार से लाभ उठाएगी। अगले एक दशक में देश में 10 लाख करोड़ रुपए के ट्रांसमिशन निवेश की संभावना है, जिससे कंपनी को महत्वपूर्ण अवसर मिलेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि एईएसएल का वितरण कारोबार मजबूत है और सरकार के स्मार्ट मीटरिंग समर्थन से निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी। कंपनी मुंबई और मुंद्रा सेज वितरण क्षेत्रों के माध्यम से लगभग 33 लाख उपभोक्ताओं तक पहुंच रखती है। एईएसएल का लक्ष्य वितरण क्षेत्र में 20 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। स्मार्ट मीटरिंग में कंपनी के पास 24.6 मिलियन मीटर का ऑर्डर बुक है।

सेंसेक्स 300 अंक टूटा, 25500 के नीचे; निफ्टी 25,600 के स्तर पर

मुंबई,एजेंसी

एशियाई बाजारों में कमजोर रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार, 6 फरवरी को गिरावट के साथ खुले। बाजार पर खासतौर पर आईटी शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला। इसके अलावा निवेशकों की नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के नतीजों पर टिकी रही, जो केंद्रीय बजट और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद हुई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मामूली गिरावट के साथ 83,249.32 के स्तर पर खुला, लेकिन खुलते ही इसमें कमजोरी बढ़ गई। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 224.17 अंक गिरकर 83,089.76 पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 25,605 पर खुला और जल्द ही 25,600 के नीचे फिसल गया। सुबह शुरुआत के बाद यह 84.15 अंक की गिरावट के साथ 25,558.65 पर ट्रेड कर रहा था। बाजार के जानकारों के अनुसार निफ्टी 50 लगातार 25,800 के ऊपर टिकने में असफल रहा है और फिलहाल कंसोलिडेशन फेज में है। 25,600ड्ड25,500 का दायरा मजबूत सपोर्ट जोन माना जा रहा है, जबकि ऊपर की ओर 25,800-25,900 के बीच कड़ा रेजिस्टेंस है। अगर निफ्टी 25,500 के नीचे निर्णायक रूप से टूटता है, तो इसमें और गिरावट आकर 25,000 तक जाने की आशंका बन सकती है। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट के बीच भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के अंतिम ट्रेडिंग सेशन यानी शुक्रवार को गिरावट में खुले। वॉल स्ट्रीट पर भी टेक शेयरों में दबाव रहा। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, टेक शेयरों वाला नैस्डैक 100 पिछले साल अप्रैल के बाद तीन दिनों में सबसे बड़ी गिरावट का सामना कर रहा है।

सोना 1,358 टूटकर 1,50,713, चांदी 11,419 रुपए गिरकर 2,32,396 पर

नई दिल्ली । सोने और चांदी के भाव में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिली। घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुएं दबाव में कारोबार करती नजर आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों धातुओं की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2,675 रुपये की गिरावट के साथ 1,49,396 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,52,071 रुपये था। सोने के वायदा भाव 1,358 रुपये टूटकर 1,50,713 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। दिन के कारोबार में सोने ने 1,50,843 रुपये का उच्च और 1,49,396 रुपये का निचला स्तर छुआ। पिछले महीने सोने ने 1,80,779 रुपये का रिकॉर्ड उच्च स्तर दर्ज किया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 9,752 रुपये की गिरावट के साथ 2,34,063 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,43,815 रुपये था। इस समय चांदी 11,419 रुपये की गिरावट के साथ 2,32,396 रुपये प्रति किलो के आसपास कारोबार कर रही थी। कारोबार के दौरान इसने 2,34,063 रुपये।

भारत में दवा विकास में बदलाव

नई दिल्ली । फार्मास्युटिकल उद्योग में दवाओं के परीक्षण के पारंपरिक तरीकों में बदलाव दिखाई दे रहा है। विज्ञान-आधारित बिना-पशु तरीके (एनएएमएस) अब दवा विकास की दिशा तय कर रहे हैं। हालिया रिपोर्ट के अनुसार ये तरीके दवा विकास की समय-सीमा आधी तक घटा सकते हैं और लागत 70ड्ड90 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एनएएमएस न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से विश्वसनीय हैं, बल्कि वैश्विक नियामकीय मानकों को भी पूरा करते हैं। इसके बावजूद दशकों तक पशु परीक्षण को दवा विकास में अनिवार्य कदम माना जाता रहा है।

रिपोर्ट सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बाइक बनी हुई है

दिसंबर 2025 में हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री हुई मजबूत

नई दिल्ली,एजेंसी

हीरो मोटोकॉर्प ने घरेलू बाजार में दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर बेहतरीन प्रदर्शन दर्ज किया। पूरे साल की तुलना में कंपनी की मांग दिसंबर महीने में पहले से ज्यादा मजबूत दिखाई दी। कम्यूटर सेगमेंट की पारंपरिक पकड़ और इलेक्ट्रिक स्कूटरों में बढ़ती दिलचस्पी ने हीरो को इस महीने भी स्थिरता प्रदान की। हीरो स्प्लेंडर ने एक बार फिर कंपनी की रीढ़ साबित होते हुए दिसंबर में करीब 2.80 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कुल घरेलू बिक्री में इसकी हिस्सेदारी लगभग 67 प्रतिशत रही, जो दर्शाता है कि स्प्लेंडर आज भी भरोसे, माइलेज और कम मेंटेनेंस के कारण सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बाइक बनी हुई है।

इसके साथ ही एचएफ डिलक्स ने ग्रामीण और कस्बाई बाजारों में अपनी पकड़ बनाए रखी, जबकि ग्लैमर जैसी प्रीमियम कम्यूटर बाइक ने भी बिक्री बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। कंपनी की कुल घरेलू बिक्री 4.18 लाख यूनिट्स के पार पहुंची, जो पिछले साल दिसंबर के मुकाबले मजबूत सालाना ग्रोथ को दर्शाती है। हालांकि नवंबर की तुलना में हल्की गिरावट देखी गई, लेकिन यह कमी त्योहारों के बाद बाजार की सामान्य मंदी का परिणाम मानी जा रही है।

स्कूटर सेगमेंट में डेस्टिनी 125 ने दमदार प्रदर्शन किया और सालाना आधार पर इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई।

फैमिली स्कूटर कैटेगरी में इसकी बढ़ती लोकप्रियता ने यह स्पष्ट किया कि हीरो इस सेगमेंट में भी अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। सबसे बड़ा आकर्षण वीडा इलेक्ट्रिक स्कूटर रहा, जिसकी बिक्री में पिछले साल की तुलना में कई गुना वृद्धि दर्ज की गई। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में यह तेजी संकेत देती है कि आने वाले समय में वीडा, हीरो के लिए महत्वपूर्ण गेम-चेंजर साबित हो सकता है। प्रीमियम और स्पोर्टी बाइक्स जैसे एक्ट्रीम और एक्सपल्स को सालाना आधार पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला, हालांकि मासिक बिक्री आंकड़ों में दबाव दिखाई दिया।

जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा को अंजाम दिया, वही प्रशिक्षण लेकर सीख रहे हुनर

विजय मत/रायपुर। अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में हो तो जीवन में हर काम आसान हो जाता है। इस कथन को आत्मसमर्पित माओवादियों ने चरितार्थ किया है। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की राह अख्तियार किया था, आज उन्हीं हाथों को राज्य की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कुशल और दक्ष बनाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। शासन की मंशानुसार ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण देकर ह्लहिंसा से हुनरह्व की ओर लौटे माओवादियों को नया जीवनदान मिल रहा है।

कभी माओवाद गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियों को अब ड्राइविंग, सिलाई, काष्ठशिल्प कला, सहायक इलेक्ट्रिशियन जैसे विभिन्न ट्रेड में सतत प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्य धारा में लौटने के बाद आजीविका मूलक गतिविधियों में कुशल होकर बेहतर ढंग से सम्मान पूर्वक जीवन निर्वाह कर सके। वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर शनैः-शनैः आगे बढ़ रहा है और माओवाद का दायरा धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। छत्तीसगढ़ सहित देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने केंद्र सरकार के संकल्प को पूरा करने प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। वहीं हथियार उठाने वालों को भविष्य गढ़ने का सुनहरा अवसर भी सरकार द्वारा दिया जा रहा है।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने छात्राओं को बांटी साइकिल

उद्योग मंत्री देवांगन ने छात्राओं को बांटी साइकिल, बोलेः खूब पढ़े-खूब बढ़े

विजय मत, रायपुर

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय एनसीडीसी कोरबा में , छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत छात्राओं को साइकिल वितरित की।

सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जलवन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस दौरान मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत आज स्कूल में छात्राओं को साइकिल वितरण किया जा रहा है। सभी छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएं। खूब पढ़े-खूब बढ़े, बेटियां हैं तो कल है ,सभी बच्चें लगन से पढ़ाई करें और अपने विद्यालय का नाम रोशन करें, हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की सोच है कि शिक्षा के क्षेत्र में लगातार विकास करते हुए छात्र-छात्राओं को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करें।

इसी उद्देश्य के साथ कोरबा जिले के सभी जर्जर हो चुके शासकीय स्कूलों के नवीन भवन निर्माण को तेजी से कराया जा रहा है, स्कूलों में निशुल्क नाश्ता का प्रदाय किया जा रहा है। मेधावी छात्र-छात्राओं को विशेष कोचिंग की सुविधा रायपुर भेज कर उपलब्ध कराई जा रही है।

हमारी छात्राओं को स्कूल आने में परेशानी ना हो जिसके लिये सरस्वती साइकिल योजना के तहत सरकार द्वारा साइकिल वितरण किया जा रहा है, शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के लिए अच्छा अवसर देना हमारा कर्तव्य है। हमारी सरकार के मंशा के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में आगे की ओर अग्रसर होते हुए प्रदेश में बेहतर शिक्षा देना हमारा कर्तव्य है।

शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के लिए अच्छा अवसर देना हमारा कर्तव्य

इसी उद्देश्य के साथ कोरबा जिले के सभी जर्जर हो चुके शासकीय स्कूलों के नवीन भवन निर्माण को तेजी से कराया जा रहा है, स्कूलों में निशुल्क नाश्ता का प्रदाय किया जा रहा है। मेधावी छात्र–छात्राओं को विशेष कोचिंग की सुविधा रायपुर भेज कर उपलब्ध कराई जा रही है। हमारी छात्राओं को स्कूल आने में परेशानी ना हो जिसके लिये सरस्वती साइकिल योजना के तहत सरकार द्वारा साइकिल वितरण किया जा रहा है, शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के लिए अच्छा अवसर देना हमारा कर्तव्य है। हमारी सरकार के मंशा के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में आगे की ओर अग्रसर होते हुए प्रदेश में बेहतर शिक्षा देना हमारा कर्तव्य है।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर ,पार्षद सिमरन कौर, पार्षद मुकुंद कंवर , पार्षद लक्ष्मण श्रीवास, शाला प्रतिनिधि यासीन खान , मिलाप बरेठ , ज्योति वर्मा , श्रीधर द्विवेदी , अर्चना रूनीझा , मंदाकिनी त्रिपाठी जी, प्राचार्य डॉ अलका फिलिप्स सहित अभिभावक गण, छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति मुर्मु कल बस्तर पंडुम-2026 का करेंगी शुभारंभ

विजय मत, रायपुर

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु आदिवासी संस्कृति का महाकुंभ ह्यबस्तर पण्डुम-2026 का 7 फरवरी 2026 को शुभारंभ करेंगी। संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम 9 फरवरी तक आयोजित होगा। जनजातीय समाज के इस तीन दिवसीय सांस्कृतिक महाकुंभ जनजातीय जीवनशैली, मान्यताओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत सहेजने और प्रदर्शित करने का पर्व है। बस्तर पण्डुम लोककला और संस्कृति तथा स्थानीय परंपराओं से जुड़ा उत्सव है। यह उत्सव बस्तर जनजातीय बस्तर पण्डुम जानजातीय समुदाय की पहचान, गौरव और उनकी समृद्ध परंपरा को प्रोत्साहित करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। इस उत्सव के माध्यम से बस्तर अंचल की सांस्कृतिक को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय एवं लोक संस्कृति महोत्सव बस्तर पंडुम 2026 का शुभारंभ समारोह 7 फरवरी 2026 को सुबह 11 बजे जगदलपुर में होगा। समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप विशेष रूप से शामिल होंगे। बस्तर अंचल में पण्डुम पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस उत्सव में जनजातीय समाज की जीवनशैली के दर्शन होते है। इस बार पण्डुम पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 12 विधाओं की प्रस्तुति दी जाएगी।

युवा कलाकारों के माध्यम से बस्तर जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य, वाद्ययंत्र, वेशभूषा व आभूषण, पूजा पद्धति, बस्तर शिल्प, जनजातीय चित्रकला का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा जनजातीय पेय पदार्थ, पारंपरिक व्यंजन, आंचलिक साहित्य एवं बस्तर वन औषधि पर भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

साधु-संतों ने राजिम कल्प कुंभ 2026 में अव्यवस्था पर जताई नाराजगी

विजय मत, रायपुर

राजिम कल्प कुंभ 2026 की सूची से साधु-संतों के नाम हटाए जाने को लेकर संत समाज में भारी आक्रोश है. इसी मुद्दे पर रायपुर के संत, महंत, पुजारी और पुरोहितों ने कड़ा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. इस विषय को लेकर कचना रोड स्थित सुरेश्वर महादेव पीठ में आपात बैठक आयोजित की गई. बैठक में राजिम कल्प कुंभ 2026 के सचिव आचार्य डॉ. राजेश्वरा नंद ने पूरे घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त करते हुए अपने सचिव पद से इस्तीफा देने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि पूर्व में जिन

साधु-संतों के नाम सूची में शामिल थे, उन्हें बिना किसी कारण हटाया गया है, जिसका उन्हें गहरा खेद है. आचार्य राजेश्वरानंद ने बताया कि संत समाज की मांग पर ही सरकार द्वारा उन्हें राजिम कल्प कुंभ 2026 का सचिव नियुक्त किया गया था, जिससे संत समाज में खुशी की लहर दौड़ी थी, लेकिन तैयारियों के दौरान उनकी लगातार उपेक्षा की गई. न तो उन्हें किसी बैठक में बुलाया गया और न ही कोई सूचना दी गई. वहीं संतों के नाम सूची से हटाए जाने से असंतोष और बढ़ गया है.

झारेड हैक का जलवा, 5 शॉट से शानदार जीत

विजय मत, नया रायपुर

झारेड हैक ने डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई पर अपने डेब्यू को यादगार बनाते हुए सीजन-ओपनर रएउछ छत्तीसगढ़ ओपन 2026 में पाँच शॉट की जबरदस्त जीत दर्ज की। 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाले इस टूनार्मेंट का आयोजन नया रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट में किया गया।

झारेड हैक (63-61-63-59), जो तीसरे राउंड के बाद तीसरे स्थान पर थे और लीड से सिर्फ एक शॉट पीछे थे, ने अंतिम राउंड में 10-अंडर 59 का शानदार स्कोर बनाते हुए खिताब अपने नाम किया। यह फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट में अब तक का सबसे कम सिंगल-राउंड स्कोर है।

लास वेगास में रहने वाले झारेड, जो पिछले सप्ताह उद्ध वर्ल्ड PGTI क्वालिफाइंग स्कूल में उपविजेता रहे थे, ने नया रायपुर में पिछले सर्वश्रेष्ठ स्कोर 60 को पीछे छोड़ा। यह स्कोर पिछले साल के संस्करण और इसी सप्ताह कई खिलाड़ियों द्वारा बनाया गया था। इसके साथ ही झारेड ने 30-अंडर 246 के कुल स्कोर के साथ टूनार्मेंट के इतिहास में सबसे कम विजयी स्कोर का नया रिकॉर्ड भी बनाया। पिछले वर्ष शौर्य भट्टाचार्य ने 27-अंडर 249 के स्कोर के साथ खिताब जीता था।

भारतीय शिक्षा बोर्ड को मिली 5-8 वीं बोर्ड परीक्षाओं से मुक्ति : छबिराम

विजय मत, रायपुर

मेकाले की शिक्षा प्रणाली में हो रहे गुलामी और शोषण को समाप्त करने हेतु सनातन शिक्षा से आधुनिक शिक्षा को जोड़ते हुए पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तक तैयार की गई है। भारतीय शिक्षा बोर्ड में नए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के समस्त नियमों का पालन करते हुए पाठ्यक्रम तैयार की गई है।

डॉक्टर एन. पी. सिंह आई ए एस (सेवानिवृत) चेयरमैन भारतीय शिक्षा बोर्ड हरिद्वार के मार्गदर्शन एवं पूज्य स्वामी पुण्य देव महाराज के समन्वयन में भारतीय शिक्षा बोर्ड के राज्य प्रभारी छबि राम साहू के

नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी एवं संचालक ,लोक शिक्षण , ऋतुराज रघुवंशी एवं उपसंचालक बी. एल. देवांगन से सौजन्य भेंट किए। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने भारतीय शिक्षा बोर्ड के गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों को कक्षा पांचवी एवं आठवीं की परीक्षा से मुक्त करने हेतु अधिकारियों को किए गए अनुरोध द्वारा, राज्य शासन से आदेश भारतीय शिक्षा बोर्ड को प्राप्त हो गया है। भारतीय शिक्षा बोर्ड के प्रतिनिधि मंडल में प्रहलाद दमाहे , जे.पी. महामलला, ढालचंद जैन सम्मिलित थे। भारतीय शिक्षा बोर्ड के कक्षा पांचवी एवं आठवीं के आगामी परीक्षा से राज्य शासन द्वारा मुक्त होने पर पतंजलि परिवार से संजय अग्रवाल, डॉक्टर मनोज पाणिग्रही ,गणेश तिवारी ,जयंत भारती, अनूप बंसल जया मिश्रा, श्रवण केजरीवाल ,पुखराज जैन , विजय लाहोटी ,ज्ञानचंद जैन ,पुष्पा देवांगन आदि सहित भारतीय शिक्षा बोर्ड से एफिलेटेड समस्त स्कूल के प्राचार्य एवं संचालकों ने भारतीय शिक्षा बोर्ड छत्तीसगढ़ को बधाई देते हुए राज्य शासन को धन्यवाद व्यापित किया।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की परिवीक्षा अवधि पूर्ण, सेवाएं हुई नियमित

विजय मत, रायपुर

उच्च शिक्षा विभाग का प्रशासनिक निर्णय

उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के संबंध में महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। आयुक्त, उच्च शिक्षा द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों में पदस्थ 4 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की परिवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर उनकी सेवाओं को नियमित माना गया है।

जारी आदेश में बताया गया है कि संबंधित कर्मचारियों की नियुक्ति उपरांत निर्धारित 2 से 3 वर्ष की परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके कार्य, आचरण एवं दायित्व निर्वहन का मूल्यांकन सक्षम समिति द्वारा किया गया। मूल्यांकन में संतोषजनक पाए जाने पर सक्षम प्राधिकारी ने परिवीक्षा अवधि समाप्त करने की स्वीकृति प्रदान की है। चतुर्थ श्रेणी के जिन कर्मचारियों परिवीक्षा अवधि समाप्त की गई है उनमें संजय कुमार शर्मा, अमित कुमार, संदीप वाल्मिक और दिनेश कुमार निषाद का नाम शामिल है। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार इस निर्णय से महाविद्यालयीन प्रशासन को मजबूती मिलेगी।

मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन की टीम ने पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात

विजय मत/ भिलाई

मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन के महिला प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय ने अपने संगठन के टीम के साथ रायपुर के प्रथम पुलिस कमिश्नर आयुक्त संजीव शुक्ला से शिष्टाचार भेंट कर एक औपचारिक और सम्मानजनक मुलाकात की है, जिसका उद्देश्य परिचय स्थापित करना, प्रशासनिक सहयोग के साथ मानवाधिकारी न्याय सुरक्षा संगठन के टीम द्वारा तमाम मानवाधिकार के तमाम मुद्दों पर ध्यान आकर्षण करवाने के साथ सहयोग प्रदान करने की बात कही गई है। मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन

के प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय ने संगठन के तरफ से मोमेंटो और साल देकर सम्मान दिया गया सम्मान के साथ साथ नव न्युक्ति पदभार को लेकर संगठन के तरफ से बधाई दी गई। इस शिष्टाचार भेंट में प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय ने संगठन के तरफ से किये जा रहे सामाजिक मुद्दों पर समाज के बेहतरी के लिए टीम के द्वारा किये जा रहे पहल पर जानकारी दी है और भविष्य में संगठन समाज के उत्थान और शोषित वर्गों के साथ खड़े रहकर काम करने की जानकारी दी है। इस पूरे चर्चा में सामाजिक मुद्दों पर मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन के तरफ से किये जा रहे प्रयासों में प्रशासनिक सहयोग की अपेक्षा की बात की गई है। मानवाधिकारी न्याय सुरक्षा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय अपने कार्यकारणी सदस्यों का परिचय कराया नव नियुक्त प्रथम पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला से मुलाकात करने वाले टीम सदस्य में प्रदेश अध्यक्ष पूनम पांडेय, रायपुर जिला अध्यक्ष समीक्षा त्रिपाठी, पुरुष विंग जिला अध्यक्ष सुशील बारोलिया, प्रदेश महासचिव जयश्री बारोलिया, प्रदेश महासचिव सोना इंगोले, प्रदेश महासचिव ममता इंगोले मौजूद रहे ।

बस्तरवासियों को मिली 'जनजातीय गौरव वाटिका' की अनमोल सौगात

विजय मत, रायपुर

शहर की आपाधापी, धूल और शोर-शराबे से दूर, बस्तरवासियों को प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताने के लिए शुक्रवार को एक भव्य और अनमोल ठिकाना मिल गया। बस्तर की समृद्ध जनजातीय विरासत, परंपरा और नैसर्गिक सौंदर्य को एक सूत्र में पिरोने के उद्देश्य से कुम्हड़ाकोट में निर्मित 'जनजातीय गौरव वाटिका' का लोकार्पण छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप और विधायक किरण सिंह देव ने किया।

लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुई यह वाटिका अब जनता के लिए समर्पित कर दी गई है, जो न केवल पर्यटन का नया केंद्र बनकर उभरी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक अनूठी मिसाल पेश कर रही है।शुक्रवार शाम आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण देव के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप और छत्तीसगढ़ बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, सीसीएफ आलोक तिवारी, स्टायलो मंडावी, संचालक कांगेर वैली सहित अन्य प्रमुख स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। लोकार्पण के पश्चात उपमुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों ने वाटिका का अवलोकन किया। वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान अतिथियों को अवगत कराया कि करीब 25 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैले इस प्रोजेक्ट को शुरूआत में एक हेल्थ पार्क के रूप में परिकल्पित किया गया था, जिसे बाद में एक भव्य वाटिका का रूप दिया गया।

उपमुख्यमंत्री ने यहाँ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों के लिए बनाए गए 1700 मीटर लंबे वॉकिंग ट्रेल, योगा शेड, योगा जोन और ओपन जिम जैसी आधुनिक सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने वॉकिंग ट्रेल के बीच-बीच में बनाए गए 'गपशप जोन' और पारिवारिक आयोजनों के लिए निर्मित पाँच सुंदर पगोड़ा को भी देखा, जो अब पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं।

मितानिनों को दिया समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा

रामगढ़ में मितानिनों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में शामिल हुए पर्यटन अग्रवाल

विजय मत,नई दिल्ली/ रायपुर

सरगुजा जिले में उदयपुर ब्लॉक के रामगढ़ में मितानिनों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने मितानिनों को सम्मानित करते हुए कहा कि मितानिन बहनें ग्रामीण एवं शहरी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे सशक्त और भरोसेमंद कड़ी हैं। शासन की स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा रही मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य की धुरी हैं। सरकार आपके हर प्रयास के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

सम्मेलन में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। उदयपुर विकासखंड की 59 ग्राम पंचायतों से 389 मितानिन, 20 मितानिन ट्रेनर, दो ब्लॉक को-आर्डिनेटर और पांच विकासखंड समन्वयक शामिल हुए। कार्यक्रम का लक्ष्य पंचायत स्तरीय स्वास्थ्य समस्याओं को उजागर कर संबंधित विभागों तक पहुंचाना था। मितानिनों ने अधिकारियों को क्षेत्रीय चुनौतियों से अवगत कराया, पंचायत प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ा तथा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता व पोषण समिति को सक्रिय बनाने पर बल दिया। जिला समन्वयक अर्चना कुशवाहा ने बताया कि मितानिनें मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता के माध्यम से समुदाय सशक्त कर रही हैं। विकासखंड समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव व मानकुंवर प्रजापति ने उनकी भूमिका को स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत कड़ी बताया।

इस वर्ष 85 स्वास्थ्य विभाग, 26 महिला-बाल विकास, 12 पीएचई, 12 खाद्य, 25 जनपद स्तर, 8 पुलिस, 5 विद्युत, 5 शिक्षा, 5 सेंट्रल बैंक व 7 विधायक स्तर के आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सभी पर तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिलाया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों की उपस्थिति ने आयोजन को और प्रभावी बनाया।

पोषण समिति को सक्रिय बनाने पर बल

उदयपुर विकासखंड की 59 ग्राम पंचायतों से 389 मितानिन, 20 मितानिन ट्रेनर, दो ब्लॉक को–आर्डिनेटर और पांच विकासखंड समन्वयक शामिल हुए। कार्यक्रम का लक्ष्य पंचायत स्तरीय स्वास्थ्य समस्याओं को उजागर कर संबंधित विभागों तक पहुंचाना था। मितानिनों ने अधिकारियों को क्षेत्रीय चुनौतियों से अवगत कराया, पंचायत प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ा तथा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता व पोषण समिति को सक्रिय बनाने पर बल दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। **संपादक**- सीता शुक्ला। **प्रधान संपादक**- विजय शुक्ला ।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997